घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com **अम्बिकापुर, वर्ष 23, अंक - 02- सोमवार 02- नवम्बर 2026,पृष्ठ - 8 , मूल्य 2 रूपये** RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया ब्लॉक की रैली...

राहुल गांधी बोले...ज्ञानेश कुमार सीईसी पद से हटेगा,हम संविधान को नष्ट नहीं होने देंगे







नई दिल्ली,01 नवम्बर 2026। राहुल गांधी ने कहा 'न हम मोदी से नफरत करते हैं,न ही अमित शाह से नफरत करते हैं,न ज्ञानेश कुमार से। मगर आप तीनों ने देश की आत्मा पर आक्रमण किया है। आपने देश के संविधान और लोकतंत्र पर हमला किया है। मेरे लिए कोई दुश्मन नहीं है। न मोदी,न अमित शाह,न ज्ञानेश कुमार। मगर हमारे लिए सबसे जरूरी चीज,धर्म से भी जरूरी चीज है-हिंदुस्तान के नागरिक की आवाज। अगर आप मुझसे मेरा धर्म पूछें तो मैं कहूंगा कि हिंदुस्तान के लोगों की आवाज सुनी जानी चाहिए। यही मेरा धर्म है। हम नरेंद्र मोदी,अमित शाह,ज्ञानेश कुमार के खिलाफ हिंसा नहीं करेंगे। उन्हें मारेंगे या काटेंगे नहीं।' राहुल ने कहा कि गांधीजी ने कहा था कि पंक्ति में खड़े आखिरी व्यक्ति की आवाज सबसे अहम है। चाहे वह हिंदू हो, मुस्लिम हो,दलित हो,महिला हो, विकलांग हो,जो भी हो,हमें सबकी आवाज की रक्षा करनी है। मोदी जी ने और शाह ने देश में नफरत फैला दी है और इससे देश को नुकसान हो रहा है। यह भीड़ चिल्ला रही है,हमें मोहब्बत चाहिए,भाईचारा चाहिए। हम यही कर के दिखाएंगे। यह प्रदर्शन किसी एक पार्टी का या एक नेता का नहीं है। इसमें सब शामिल हैं। यह हिंदुस्तान की आवाज है। यह हिंदुस्तान के लोकतंत्र को बचाने की आवाज है, संविधान को बचाने की आवाज है।

राहुल बोले...ज्ञानेश कुमार सीईसी पद से हटेगा

राहुल ने कहा कि मैं स्टेज से कहना चाहता हूं। मैं जो कहता हूं वो होता है न। मैंने कोविड-19 के बारे में बोला,सच हुआ। मैं आपको स्टेज से कह रहा हूं कि ज्ञानेश कुमार सीईसी पद से हटेगा। ज्ञानेश कुमार हिंदुस्तान में जेल जाएगा। और अगर यह आम चोरी नहीं है कि किसी ने दुकान से थोड़ी सी छोटी चोरी कर ली। उसके लिए जेल होती है। इन्होंने नॉर्मल चोरी नहीं की है। यह हिंदुस्तान के हर नागरिक के आवाज की चोरी है। इसको कानूनी गलियारों में रेयरेस्ट ऑफ रेयर केस कहते हैं। इसे देशद्रोही कहते हैं,इसे ट्रीजन कहते हैं और ज्ञानेश कुमार के बिना न नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनता,न अमित शाह गृह मंत्री बनता। आरएसएस इस देश की सारी संस्थाओं को कैप्चर कर लिया है। शिक्षा,स्वास्थ्य,सीबीआई,ईडी, न्यायपालिका,नौकरशाही,पुलिस सारी की सारी संस्थाएं,जो आपकी हैं,वह नरेंद्र मोदी,अमित शाह, आरएसएस की नहीं,युवाओं की संस्थाएं हैं। वह इन्होंने कैप्चर कर रखी हैं। नतीजा यह है कि किसानों को अधिकार नहीं मिल रहा,युवाओं को हक नहीं मिल रहा,मजदूरों को हक नहीं मिल रहा। नतीजा पूरा का पूरा धन कुछ लोगों के हाथ में चला गया है-अंबानी, अदाणी।

राहुल बोले-संविधान को नष्ट नहीं होने देंगे : राहुल ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि अमित शाह, ज्ञानेश कुमार को आपने मैसेज भेजना था, मैसेज भेज दिया है। यह किसी एक राजनीतिक दल की आवाज नहीं है। यह सिर्फ नेताओं की आवाज नहीं है। यह हिंदुस्तान के युवाओं की आवाज है। किसानों,मजदूरों की आवाज है और यह आवाज कह रही है कि हम लोकतंत्र को हिंदुस्तान में खत्म नहीं होने देंगे। हम संविधान को नष्ट होने नहीं देंगे। आप अपने आप को जितना बड़ा समझो, जितना आपके पास पैसा है,पावर है,आप जो भी हों,आप संविधान से बड़े नहीं हैं, संविधान आपसे बड़ा है। राहुल ने आगे कहा कि वर्षों से इस देश में वोट चोरी हो रही है। ममता जी ने बंगाल को उदाहरण दिया। मध्य प्रदेश, हरियाणा,छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र,कर्नाटक और 2024 की लोकसभा,सारे चुनाव में वोट चोरी हुई है, ईवीएम के साथ वोट चोरी हुई है। वोटर लिस्ट से नाम काटकर वोट चोरी हुई है। 2024 के चुनाव के बाद 13.5 करोड़ वोटर्स वोटर लिस्ट से हटाए गए। मतलब इतने वोटर्स को हटाया गया। हर सात में से एक वोटर को निकाला गया। 15 फीसदी हिंदुस्तान के वोटर्स को वोटर लिस्ट से हटाया गया,वह भी 2024 के बाद। 2024 में एनडीए और हमारे बीच में तीन फीसदी का फर्क था। उसके बाद 15 फीसदी वोटर्स को वोटिंग लिस्ट से निकाला गया। मतलब 2024 का चुनाव अवैध चुनाव था। चोरी का चुनाव था और यह बात मैं नहीं चुनाव आयोग खुद कह रहा है। क्योंकि उन्होंने 13.5 करोड़ वोटर्स 2024 की लिस्ट से निकाले।

ममता बनर्जी बोलीं...ईवीएम लूटा,लोकतंत्र लूटा,संविधान लूटा : रामलीला मैदान से टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने कहा कि हम लोकतंत्र को बचाएंगे। हम छोड़ेंगे नहीं,लड़ेंगे। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम हारे नहीं,हराए गए हैं, बंगाल एसआईआर का पीड़ित है। ज्ञानेश कुमार ने मतगणना को हाईजैक किया। अपने संबोधन में ममता बनर्जी ने कहा कि-एसआईआर भाजपा की मदद के लिए बनाई गई है। ज्ञानेश कुमार को हटाना होगा। ममता बनर्जी ने आगे कहा कि इन्होंने राम मंदिर का रुपया भी लूटा है।

अखिलेश यादव बोले...यूपी में हिंदुओं के 1.27 करोड़ वोट काटे गए : समाजवादी पार्टी के सांसद और अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा,...''जबसे यह तय हुआ है कि रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन एकजुट होकर उन तमाम लोगों को जिन लोगों ने लोकतंत्र को कमजोर करने का काम किया है, उनके खिलाफ एकजुट हो रहे हैं। तबसे सामने आ रहा है कि जनता हमारे साथ जुटना चाहती है। अगर मैं यह कहूं कि एक करोड़ 27 लाख वोट कटे हैं, उसका गणित हम लगा दें 403 विधानसभाओं का तो हर विधानसभा में वोट कम हुए हैं

2-3 लोगों का देश नहीं चाहिए हमें : राहुल गांधी

राहुल गांधी ने कहा कि 2-3 लोगों का देश नहीं चाहिए हमें। अदाणी जी जो भी करना चाहें,जो भी संस्था लेना चाहें,शिक्षा-स्वास्थ्य को कैप्चर करना चाहें। हर एयरपोर्ट,रेलवे,इन्फ्रास्ट्रक्चर छीन लें। ड्रोन उड़ रहा है यह भी अदाणी का,हथियार भी अदाणी का,ऐसा देश हमें नहीं चाहिए। हम यह होने नहीं देंगे। देश को सही पटरी पर लाने का तरीका इस ज्ञानेश कुमार को हटाना है। अमित शाह जी ने कहा कि नरेंद्र मोदी कहीं नहीं जा रहे। मैं आपको उल्टा बता रहा हूं। नरेंद्र मोदी कहीं नहीं जा सकते,अगर जाना भी चाहें तो हम उन्हें नहीं जाने देंगे। नरेंद्र मोदी और अमित शाह,ज्ञानेश कुमार के बाद हम आपके सामने खड़े होने जा रहे हैं। नरेंद्र मोदी के खिलाफ अमित शाह के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी। आपने जो वोट चोरी की है,अदाणी को जो देश बेचा है,उसके लिए देश आपसे न्याय मांगेगा। आप भागने की मत सोचो। आप भाग नहीं सकते। आप यहीं के यहीं रहोगे।

अखिलेश बोले...2022 में यूपी में वोट चोरी की सरकार बनी...

अखिलेश यादव ने कहा कि हम आपने देखा है कि भाजपा लगातार साजिश रच रही है। वे जानते हैं लोकतंत्र से जीत नहीं सकते तो चुनाव आयोग को हथियार बनाया। उन्होंने बंगाल चुनाव उन्होंने लूटा है। चुनाव से पहले एसआईआर कराकर वोट कटवा दिए थे। अखिलेश ने कहा,'मैं देख रहा हूं कि रामलीला मैदान में जो आवाज उठ रही है। गठबंधन के सभी साथियों ने एकजुट होकर लोकतंत्र को खत्म करने वालों के खिलाफ हुए हैं।

खड़गे बोले...मोदी अपना वोट खुद चुन रहे...

मल्लिकार्जुन खड़गे ने ये भी कहा कि मोदी आज लोगों में फूट डालने की कोशिश कर रहे हैं,वे खुद वोट चुन रहे हैं। उनको वोट कौन देगा,वे वोटर्स चुनते हैं। आज की केंद्र सरकार, बिहार सरकार,यूपी सरकार,ये सब चोरी की सरकार हैं।

ममता बोलीं...आपने नौकरी लूटीं, मां-बहनों का सम्मान लूटा

ममता बोलीं...हम छोड़ेंगे नहीं,जिदंगी देंगे,हम लड़ेंगे। हमारा बंगाल लूट लिया गया। हम लोकतंत्र बचाएंगे। लोकतंत्र लूटा गया,अधिकार लूटा गया,इलेक्शन काउंटिंग लूटी गई। आप सिर्फ वोट नहीं,पूरी काउंटिंग वैनिश की है। हम हारे नहीं, हमको हराया गया है। ममता ने ये भी कहा कि आपने नौकरी लूटी,जिंदगी लूटी,मां-बहनों का सम्मान लूटा। ज्ञानेश कुमार जी वैनिश वैनिश...यस पापा,लूट लिया,यस पापा,तुम्हारे पीछे कौन है,बीजेपी पापा,किसानों का रिस्पेक्ट चोरी,बीजेपी पापा...। भाजपा का साथ,सबका सत्यनाश।

गीता का अमर संदेश इसी पावन धरती से विश्व में फैला : राष्ट्रपति मुर्मु



चंडीगढ़,01 नवम्बर 2026। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रविवार को कुरुक्षेत्र में हरियाणा राज्य के गठन के 60 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित हीरक जयंती समारोह में हिस्सा लिया। इस अवसर पर उन्होंने हीरक जयंती के लोगो का भी अनावरण किया। समारोह में हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी उपस्थित रहे। राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय संस्कृति के विकास में हरियाणा के इस क्षेत्र का उल्लेखनीय योगदान रहा है। गीता का अमर संदेश इसी धरती से समस्त विश्व में फैला था। भारतीयता को गौरव प्रदान करने वाली इस पुण्य भूमि को राष्ट्रपति ने प्रणाम किया। उन्होंने भारत की प्रगति-यात्रा के अनेक आयामों में सार्थक योगदान देने वाले हरियाणावासियों को भी बधाई दी। राष्ट्रपति ने कहा कि भगवान कृष्ण के निष्काम कर्मयोग का अमर संदेश सारे विश्व में फैलाने वाली इस धरती ने आधुनिक युग में भी मानवीय पराक्रम के अनेक कीर्तिमान स्थापित किये हैं। राव तुलाराम का अदम्य साहस, दीनबंधु सर छोटूराम की किसान कल्याण के लिए प्रतिबद्धता, पंडित नेकीराम शर्मा की राष्ट्रसेवा और दादा लखमीचंद की लोक-सांस्कृतिक साधना हरियाणा की अमूल्य विरासत हैं। उन्होंने कहा कि बीसवीं सदी में हरियाणा के प्रथम शहीदों में गिने जाने वाले अंबाला के कांशीराम जी सैन फ्रांसिस्को में लाला हरदयाल के साथ मिलकर गदर पार्टी स्थापित करने वालों में से एक थे।

पंजाब में बोले अमित शाह...राहुल गांधी कभी देश के प्रधानमंत्री नहीं बनेंगे...



चंडीगढ़, 01 नवंबर 2026। गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि सोनिया का सपना है कि उनका बेटा प्रधानमंत्री बने,लेकिन यह सपना पूरा नहीं हो रहा। अब उन्होंने मॉक पार्लियामेंट करने का नया तरीका तलाशा है। शाह ने कहा कि मैं राहुल से कहना चाहता हूं कि अगर आपको प्रधानमंत्री बनना है, तो पूरा जीवन मॉक पार्लियामेंट में ही बने रहिए। आपका नंबर कभी नहीं लगने वाला। तीन चुनावों से ये हार रहे हैं। अमित शाह रविवार को चंडीगढ़ के सेक्टर-17 स्थित तिरंगा पार्क में 250 करोड़ के 9 प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि झूठ बोलना, अराजकता फैलाना,संसद नहीं चलने देना और संसद के मुद्दों को सड़क पर लाकर हंगामा करना,अगर आपकी यही कार्यशैली रही तो आने वाले पांच साल भी विपक्ष में बैठने के लिए तैयार हो जाइए।

दिल्ली में विपक्ष की रैली के खिलाफ भाजपा का मार्च

नड्डा बोले...आज के दिन सिखों का नरसंहार हुआ,राहुल अपनी राजनीति के लिए शहीदों को भूले

नई दिल्ली,01 नवम्बर 2026। इंडिया ब्लॉक की रामलीला मैदान में रैली के विरोध में भाजपा ने दिल्ली समेत देशभर में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च निकाला। दिल्ली में हरि नगर से तिलक नगर तक करीब एक किमी लंबा मार्च निकाला गया। इसमें 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ित परिवार, सिख समुदाय के लोग शामिल हुए। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस ने रामलीला मैदान में एसआईआर के खिलाफ रैली के लिए 1 नवंबर का दिन जानबूझकर चुना है। 1 नवंबर 1984 को सिख विरोधी हिंसा हुई थी। वहीं, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने हरियाणा के रोहतक में रैली निकाली। उन्होंने कहा कि वोट चोरी कांग्रेस की विरासत है। ये वोट चोरी भी करते हैं और जनता के वोट का अपमान भी करते हैं। राहुल गांधी विदेशी ताकतों की टूलकिट बनकर काम कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि आज सिख विरोधी हिंसा



के पीड़ितों को याद करना चाहिए था लेकिन राहुल गांधी उन्हें भूलकर रामलीला मैदान में अपनी राजनीति चमका रहे हैं।

नवीन का आरोप- राहुल विदेशी ताकतों की टूलकिट बनकर काम कर रहे : नितिन नवीन ने कहा...राहुल गांधी विदेशी ताकतों की टूलकिट बनकर काम कर रहे हैं। वे विदेशी ताकतों के इशारे पर देश के लोकतंत्र को चुनौती देना चाहते हैं। देश की 140 करोड़ जनता देख रही है, उसे मालूम है कि ये कौन लोग हैं। ये वही लोग हैं जिन्होंने विदेशों में अराजकता फैलाई। कांग्रेस के लोग कहते हैं कि सत्ता बदल देंगे। अरे ये जनता के वोट से बनी सरकार है,इसका कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता।

नितिन नवीन बोले...राहुल गांधी को 3 करोड़ घुसपैठियों पर विश्वास

नितिन नवीन ने कहा कि राहुल गांधी को देश की 140 करोड़ जनता पर विश्वास नहीं है, उन्हें 3 करोड़ घुसपैठियों पर विश्वास है। राहुल गांधी आपकी मंशा क्या है? लोकतंत्र में सबसे बड़ा वोट होता है, जनता का वोट। और जनता ने जब-जब वोट दिया है, आप हारे हैं। नितिन नवीन ने आरोप लगाया कि आज संविधान की प्रति लेकर घूमते हो, लेकिन संविधान को तार-तार भी इसी कांग्रेस ने किया है। यह पूरी तरह से कांग्रेस की विरासत है, जो वोट चोरी भी करती है और जनता के मत का भी अपमान करती है।

नड्डा बोले- राहुल विदेश जाकर भारत का अपमान करते हैं

जेपी नड्डा ने कहा कि त्योहारों का सीजन है। साल भर व्यापारी इंतजार करते हैं कि त्योहारों में दो पैसे कमाई होगी। लेकिन राहुल को इनकी परवाह नहीं। CTI ने चार-चार बार उन्हें चिट्ठी लिखकर गुहार लगाई कि इतना बड़ा प्रदर्शन मत करिए लेकिन राहुल के तमाशे के कारण 10 हजार करोड़ का नुकसान होने की आशंका है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के कारण उनका धंधा बंद हो गया है। इंडिया ब्लॉक के भाइयों से पूछना चाहता हूं कि क्या आप भी इस पाप में साझेदार है। क्या आप भाजपा से नफरत करते करते देश की जनता से भी नफरत करने लगे हैं। नड्डा ने कहा कि राहुल विदेश जाकर भारत का अपमान करते हैं। क्या यही आपका एजेंडा है। भारत की जनता आपके झांसे में नहीं आएगी। आप दिल्ली के व्यापारियों का हिसाब देने से नहीं बच सकते। जेपी नड्डा ने कहा कि आज के दिन कांग्रेस के गुंडों ने हमारे बेगुनाह सिपाहियों का कत्लेआम किया था। हजारों बहनें विधवा हो गई थीं।

बेंगलुरु-मुंबई वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दिखाई हरी झंडी

बेंगलुरु-हुबली-पुणे के बीच बुलेट ट्रेन परियोजना की घोषणा,बेंगलुरु-मंगलुरु वंदे भारत ट्रेन चार-पांच सप्ताह में होगी शुरू

बेंगलुरु,01 नवम्बर 2026। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बेंगलुरु-मुंबई के बीच हुबली मार्ग से दूसरी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन शुरू करने के साथ ही बेंगलुरु-हुबली-पुणे के बीच बुलेट ट्रेन कॉरिडोर विकसित करने की योजना की घोषणा की है। इसके अलावा बहुप्रतीक्षित बेंगलुरु-मंगलुरु वंदे भारत ट्रेन अगले चार-पांच सप्ताह में शुरू होने की उम्मीद है। रेल मंत्री वैष्णव ने रविवार को बेंगलुरु के एसएमवीटी रेलवे स्टेशन पर बेंगलुरु-मुंबई वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कर्नाटक में रेलवे संपर्क और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए प्रस्तावित योजनाओं की जानकारी दी। बेंगलुरु और मुंबई के बीच हुबली मार्ग से चलने वाली नई वंदे भारत स्लीपर ट्रेन से



उत्तर कर्नाटक के यात्रियों को विशेष सुविधा मिलेगी। हुबली सहित इस रेल मार्ग के विभिन्न शहरों के यात्रियों को बेंगलुरु और मुंबई के बीच तेज और आरामदायक रेल यात्रा का विकल्प उपलब्ध होगा। रेल मंत्री ने बेंगलुरु-हुबली-पुणे के बीच हाईस्पीड बुलेट ट्रेन कॉरिडोर विकसित करने की भी घोषणा की। केंद्र सरकार की दूसरे चरण की 3,000 किलोमीटर लंबी हाईस्पीड रेल परियोजना में इस मार्ग को शामिल किया जाएगा। इससे कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु,उत्तर कर्नाटक के प्रमुख शहर हुबली और महाराष्ट्र के पुणे के बीच तेज रेल संपर्क स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त होगा। इससे पहले पहले चरण की 4,000 किलोमीटर लंबी हाईस्पीड रेल परियोजना के तहत बेंगलुरु-चेन्नई और बेंगलुरु-हैदराबाद कॉरिडोर की घोषणा की गई थी। इन परियोजनाओं के पूरा होने पर बेंगलुरु से चेन्नई की यात्रा लगभग 73 मिनट और हैदराबाद की यात्रा दो घंटे 10 मिनट में पूरी होने का अनुमान है। कर्नाटक के आंतरिक क्षेत्रों और उत्तर कर्नाटक को हाईस्पीड रेल नेटवर्क से जोड़ने की मांग लंबे समय से की जा रही थी।

12 साल में 49 करोड़ लोग गरीबी से निकले आर्थिक असमानता भी घटी,6 साल में रोजगार के 13.4 करोड़ मौके बने : पीएम मोदी

नई दिल्ली,01 नवम्बर 2026। पीएम मोदी ने कहा कि 2011 से 2023 के बीच भारत में 49.6 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए। इस दौरान देश में अत्यधिक गरीबी की दर 90% तक कम हुई। मोदी ने वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि गरीबी खत्म करना सरकार के लिए सिर्फ नारा नहीं, बल्कि पक्का संकल्प है। मोदी ने यह भी कहा कि पिछले 6 साल में रोजगार के 13.4 करोड़ नए अवसर बने हैं। यह संख्या कामकाजी उम्र की आबादी में हुई बढ़ोतरी से करीब दोगुनी है। उन्होंने देश में आर्थिक असमानता कम होने की बात भी कही। प्रधानमंत्री ने ये आंकड़े इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए साझा किए। वर्ल्ड



बैंक ने अक्टूबर में 'इंडिया पॉवर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ' नाम से रिपोर्ट जारी की थी। इसके मुताबिक, भारत में अत्यधिक गरीबी की दर 2011 में 27.1% थी, जो 2023 में घटकर 2.6% रह गई। मोदी ने कहा कि वर्ल्ड बैंक के मुताबिक भारत में दुनिया में सबसे तेजी से गरीबी कम हुई है। उन्होंने आर्थिक असमानता मापने वाले गिनी इंडेक्स का भी जिक्र किया।

संपादकीय

असहनीय हो चुकी है न्याय में देरी

इस कथन से शायद ही कोई अपरिचित हो कि न्याय में देरी न्याय से वंचित करना है,लेकिन बार-बार की देरी तो अन्याय है। महान संवैधानिक विशेषज्ञ एवं न्यायविद् नानी पालकीवाला का यह कथन भी खूब प्रचलित है कि भारत में न्याय प्रशासन की सबसे बड़ी खामी देरी है और मैं दुनिया के किसी भी ऐसे देश से अवगत नहीं जहां मुकदमे इतने लंबे समय तक चलते हों, जितने भारत में। उनका यह भी कहना था,भारत में कानून बहुत ज्यादा हैं और न्याय बहुत कम। ये सभी चर्चित कथन भारतीय न्यायपालिका के समक्ष खड़ी चुनौतियों की गंभीरता को ही बयान करते हैं। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा हाल में नेशनल कंपनी ला ट्रिब्यूनल यानी एनसीएलटी और नेशनल कंपनी ला अपीलेट ट्रिब्यूनल अर्थात एनसीएलएटी की प्रशासनिक स्वतंत्रता पर गंभीर चिंता जताते हुए यह टिप्पणी करना कि इन संस्थाओं को कारपोरेट कार्य मंत्रालय ने पूरी तरह हाईजैक कर लिया है,इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि केवल विशेष ट्रिब्यूनल या न्याय मंच बना देने भर से त्वरित न्याय सुनिश्चित नहीं हो जाता। इन संस्थाओं में भारी रिक्तियों, बुनियादी ढांचे के अभाव और प्रशासनिक नियंत्रण में ढिलाई के कारण मुकदमों का निपटारा हफ्तों या महीनों में होने के बजाय सालों-साल खिंच जाता है,जिससे व्यावसायिक विवादों और आम नागरिकों को भारी आर्थिक और मानसिक क्षति होती है। यह विडंबना ही है कि जिन विशेष संस्थाओं का गठन मामलों को तेजी से निपटाने के लिए किया गया था,वे स्वयं प्रशासनिक और व्यवस्थागत जकड़न का शिकार हैं।

निचली अदालतों,अपीलीय ट्रिब्यूनलों और न्याय के अन्य मंचों पर मुकदमों के निस्तारण में लंबी देरी और कई बार आने वाले अस्पष्ट या त्रुटिपूर्ण फैसलों का एक सबसे बड़ा कारण जवाबदेही का पूर्ण अभाव है। अक्सर निचली अदालतों द्वारा पारित सतही या कानूनी रूप से कमजोर निर्णयों को उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय द्वारा खारिज कर दिया जाता है और उन पर कड़ी टिप्पणियां भी की जाती हैं,परंतु यह बात कभी सार्वजनिक नहीं होती कि ऐसे न्यायाधीशों के खिलाफ अंततः क्या अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई? इसके विपरीत इन न्यायाधीशों की पदोन्नति का आधार और आंतरिक मूल्यांकन प्रणाली पूरी तरह से अपारदर्शी है, जिससे आम जनता और विशेष रूप से वादियों के मन में न्याय व्यवस्था के प्रति अविश्वास पैदा होता है। इस दोहरी चुनौती से पार पाने के लिए यह समझना आवश्यक है कि व्यवस्था की कमजोरी केवल प्रशासनिक या बुनियादी ढांचे के अभाव तक सीमित नहीं है,बल्कि आंतरिक अनुशासन की कमी भी है। एक तरफ जहां कार्यपालिका के लिए यह आवश्यक है कि वह न्यायिक संस्थाओं को पर्याप्त संसाधन और स्टाफ देकर उनकी गति को बाधित करने वाले कारणों का निवारण करे, वहीं दूसरी तरफ न्यायपालिका के भीतर भी न्यायाधीशों की जिम्मेदारी बनती है कि वे उपलब्ध संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग करते हुए बिना अनावश्यक विलंब के त्वरित निर्णय दें। केवल बुनियादी ढांचे की कमी को ही देरी का एकमात्र कारण नहीं माना जा सकता,क्योंकि न्यायाधीशों के पास अपनी कार्यशैली और समय-प्रबंधन में सुधार करके स्थिति को काफी हद तक बेहतर बनाने की शक्ति होती है। इसका उन्हें उपयोग करना ही चाहिए।

न्याय में देरी की विकट समस्या से निपटने के लिए केवल निचली अदालतों ही नहीं,बल्कि सर्वोच्च न्यायालय सहित संपूर्ण न्याय तंत्र की जवाबदेही तय करना अनिवार्य हो गया है,ताकि लोगों को समय पर सही न्याय मिल सके। प्रख्यात न्यायविदों और न्यायिक सुधारों पर बल देने वालों का यह स्पष्ट मत रहा है कि जब तक न्यायपालिका अपनी आंतरिक कार्यप्रणाली में आधुनिक प्रबंधन और कड़े अनुशासन को नहीं अपनाती, तब तक केवल नए-नए कानून बना देने से स्थिति नहीं सुधरेगी। इस दिशा में भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीशों के साथ विधि आयोगों ने बार-बार इस पर बल दिया है कि मुकदमों की सुनवाई के दौरान तारीख पर तारीख की संस्कृति पर कड़ाई से रोक लगनी चाहिए और अनावश्यक रूप से मामले को लटकाने वाले वकीलों या पक्षों पर भारी वित्तीय दंड लगाया जाना चाहिए। इसके साथ ही उच्चतर न्यायपालिका से लेकर अधीनस्थ अदालतों तक हर स्तर पर यह अनिवार्य किया जाना चाहिए कि बहस पूरी होने के बाद एक निश्चित समयसीमा के भीतर पारदर्शी निर्णय दिए जाएं। इस तय सीमा का पालन न होने पर संबंधित पीठासीन अधिकारी की कड़ाई से वार्षिक समीक्षा हो।

मुकदमों के त्वरित निस्तारण के लिए पूर्व न्यायविदों द्वारा केस मैनेजमेंट कांफ्रेंस की जो वकालत की गई है,उसे जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू किया जाना चाहिए। इस व्यवस्था के तहत न्यायाधीश दोनों पक्षों के वकीलों के साथ बैठकर शुरुआत में ही विवाद के मुख्य बिंदुओं को तय करते हैं, जिससे सुनवाई के दौरान अनावश्यक और लंबी बहसों से बचा जा सके। इसके अतिरिक्त चूंकि खुद सरकार देश के कुल मुकदमों के एक बड़े हिस्से के लिए जिम्मेदार है,अतः उन पर भी लगाम लगनी चाहिए।

हाईवे के किनारे सजी देशी उत्पादों की दुकानें

मेहनत,परंपरा और ग्रामीण आत्मनिर्भरता की अनकही कहानी

राजस्थान के ग्रामीण अंचलों में प्रकृति और मनुष्य का रिश्ता सदियों पुराना है। यहाँ की मिट्टी,जलवायु,वनस्पति और पारंपरिक जीवन शैली ने खान-पान की ऐसी समृद्ध संस्कृति विकसित की है, जिसकी पहचान आज भी देश के कोने-कोने में है।



डॉ.सत्यवान सौरभ
भिवानी,हरियाणा

इसी संस्कृति का एक जीवंत दृश्य हमें तब दिखाई देता है, जब हम राजस्थान के किसी हाईवे से गुजरते हैं और सड़क किनारे बोरी बिछाकर बैठे ग्रामीण महिला-पुरुषों को देखते हैं। उनके सामने कैर, बेर, काचरी,सांगरी और अनेक देशी उत्पाद सजे होते हैं। पहली नजर में यह एक सामान्य-सी ग्रामीण बाजार व्यवस्था लग सकती है,लेकिन इसके पीछे मेहनत,संघर्ष,आत्मनिर्भरता और परिवार के प्रति जिम्मेदारी की एक बड़ी कहानी छिपी होती है। ये लोग दो-तीन दिन तक मेहनत करके जंगलों,खेतों और आसपास के प्राकृतिक क्षेत्रों से मौसमी उत्पाद इकट्ठा करते हैं। इसके बाद उन्हें साफ-सुथरा करके बेचने के लिए हाईवे किनारे पहुँचते हैं। इनके पास कोई बड़ी दुकान नहीं होती, न ही कोई आकर्षक बोर्ड या आधुनिक व्यापारिक व्यवस्था। एक बोरी ही इनकी दुकान बन जाती है और सड़क किनारे की थोड़ी-सी जगह इनका बाजार। इनकी दुकान पर केवल कैर ही नहीं मिलता,बल्कि राजस्थान की पारंपरिक खाद्य संस्कृति का पूरा खजाना दिखाई देता है। बेर,काचरी,मतीरे के बीज,तुम्बे के बीज,हरी और सूखी ग्वारफली,सूखे काचर,सूखे कैर,सांगरी और कई अन्य मौसमी उत्पाद इनके पास उपलब्ध होते हैं। ये वे चीजें हैं,जिनका राजस्थान के पारंपरिक खान-पान में विशेष महत्व रहा है। विशेषकर कैर-सांगरी जैसी सब्जियाँ आज राजस्थान की पहचान बन चुकी हैं और देश-विदेश तक अपनी लोकप्रियता रखती हैं।

इन ग्रामीण विक्रेताओं की कार्यशैली भी अपने आप में दिलचस्प है। वे सड़क किनारे बोरी बिछाकर सामान फैला देते हैं। राहगीर रुकते हैं,उत्पादों को देखते हैं, गुणवत्ता के बारे में पूछते हैं और फिर मोलभाव शुरू होता है। विक्रेता अपनी मेहनत का मूल्य बताते हैं और ग्राहक अपनी सुविधा के अनुसार भाव तय करने का प्रयास करता है। कई बार थोड़ी-सी बातचीत के बाद सौदा तय हो जाता है। सामान बिकने पर विक्रेता के चेहरे पर जो संतोष दिखाई देता है,वह किसी बड़े व्यापारिक लाभ से कम महत्वपूर्ण नहीं है। दिनभर सड़क किनारे बैठकर ग्राहक का इंतजार करना आसान काम नहीं है। गर्मी, धूल,तेज धूप,सर्दी और बदलते मौसम के बीच ये लोग अपने उत्पाद बेचते हैं। कभी अच्छी बिक्री होती है तो कभी दिनभर इंतजार करने के बावजूद बहुत कम सामान बिक पाता है। फिर भी वे अगले दिन नई उम्मीद के साथ अपनी छोटी-सी दुकान सजाने पहुँच जाते हैं।

बताया जाता है कि इनमें से कई लोग दिनभर की मेहनत के बाद लगभग 500 से 700 रुपये तक कमा पाते हैं। किसी बड़े शहर के बाजार में यह रकम शायद बहुत छोटी लगे,लेकिन इन परिवारों के लिए यही कमाई घर का राशन,बच्चों



प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

की पढ़ाई, दवाइयों और रोजमर्रा की जरूरतों का आधार बनती है। इस छोटी-सी आय के पीछे कई दिनों की मेहनत, प्राकृतिक संसाधनों की जानकारी और बाजार तक पहुँचने का संघर्ष शामिल होता है। यहाँ एक महत्वपूर्ण बात समझने की जरूरत है कि ये लोग केवल सामान बेचने वाले छोटे विक्रेता नहीं हैं,बल्कि हमारी पारंपरिक खाद्य संस्कृति के संवाहक भी हैं। आज जब बाजार में पैकेटबंद और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का चलन तेजी से बढ़ रहा है,तब ये ग्रामीण विक्रेता हमें प्रकृति से जुड़े पारंपरिक उत्पादों की याद दिलाते हैं। उनके पास मिलने वाली काचरी,कैर,सांगरी और अन्य मौसमी चीजें हमारी पुरानी रसोई और ग्रामीण जीवनशैली का हिस्सा रही हैं। राजस्थान के ग्रामीण परिवारों ने सीमित संसाधनों और कठिन जलवायु के बीच खान-पान की ऐसी परंपराएँ विकसित की हैं,जिनमें स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप उपलब्ध खाद्य पदार्थों का उपयोग किया जाता रहा है। कैर-सांगरी,काचरी की सब्जी और सूखे देशी उत्पाद इसी अनुभव और परंपरा की देन हैं। इनका स्वाद केवल भोजन का स्वाद नहीं,बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है। दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि हम अक्सर बड़े शोरूम,मॉल और ऑनलाइन बाजारों से खरीदारी करने में तो रुचि दिखाते हैं, लेकिन सड़क किनारे बैठे इन छोटे विक्रेताओं की ओर हमारा ध्यान नहीं जाता। कई बार हम उनके सामान की कीमत पर बहुत अधिक मोलभाव करते हैं, जबकि यह भूल जाते हैं कि उनके लिए कुछ रुपये का अंतर भी महत्वपूर्ण हो सकता है। हमें यह भी समझना चाहिए कि स्थानीय उत्पाद खरीदने का अर्थ केवल कम कीमत पर सामान प्राप्त करना नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ है स्थानीय मेहनत को सम्मान देना,ग्रामीण परिवारों की आय में योगदान करना और छोटे स्तर पर चल रही पारंपरिक अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना। यदि हम हाईवे पर यात्रा करते समय ऐसे किसी विक्रेता को देखें,तो कुछ समय निकालकर उसके पास जरूर रुकें। उत्पादों की जानकारी लें,अपनी जरूरत के अनुसार खरीदारी करें और उचित मूल्य चुकाएँ। संभव हो तो आसपास के लोगों को भी ऐसे विक्रेताओं से खरीदारी करने के लिए प्रेरित करें। हमारी थोड़ी-सी पहल इन परिवारों के लिए बड़ी राहत बन सकती है।

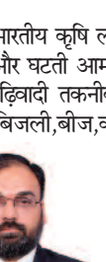
हालाँकि,खरीदारी करते समय स्वच्छता और गुणवत्ता का ध्यान रखना भी जरूरी है। उत्पादों की ताजगी,सफाई और उचित भंडारण देखकर ही खरीदारी करनी चाहिए। किसी भी उत्पाद को बिना जाँच के शत-प्रतिशत शुद्ध मानने के बजाय उसकी वास्तविक गुणवत्ता सुनिश्चित करना उपभोक्ता के हित में है। सरकार और स्थानीय प्रशासन की भी जिम्मेदारी है कि ऐसे छोटे विक्रेताओं को सुरक्षित और व्यवस्थित स्थान उपलब्ध करवाएँ। उन्हें अनावश्यक परेशानियों से बचाया जाए और उनके पारंपरिक उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के प्रयास किए जाएँ। स्वयं सहायता समूहों, ग्रामीण बाजारों और स्थानीय उत्पाद मेलों के माध्यम से भी इनकी आय बढ़ाने की संभावनाएँ विकसित की जा सकती हैं।

आज आत्मनिर्भर भारत और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की चर्चा हर स्तर पर हो रही है। ऐसे में हाईवे किनारे बैठा यह छोटा विक्रेता भी आत्मनिर्भरता का एक सशक्त उदाहरण है। वह किसी पर निर्भर रहने के बजाय अपनी मेहनत से आजीविका अर्जित कर रहा है। उसके पास न बड़ी पूँजी है, न आधुनिक संसाधन,लेकिन उसके पास मेहनत करने का साहस और अपने परिवार को पालने का संकल्प जरूर है।

अंततः सवाल केवल इतना नहीं है कि हमें कैर, काचरी या सांगरी कहाँ से खरीदनी चाहिए। सवाल यह भी है कि क्या हम उस मेहनतकश इंसान की मेहनत का सम्मान करने के लिए तैयार हैं,जो अपनी छोटी-सी पूँजी और सीमित संसाधनों के साथ जीवन की लड़ाई लड़ रहा है? आइए,जब भी हाईवे पर ऐसे ग्रामीण विक्रेता दिखाई दें, तो उनकी दुकान पर जरूर रुकें। जरूरत का सामान खरीदें,उचित दाम दें और उनकी मेहनत को सम्मान दें।याद रखिए,हमारी एक छोटी-सी खरीदारी किसी परिवार के चूल्हे को जलाए रखने में मददगार हो सकती है। स्थानीय खरीदारी केवल व्यापार नहीं,बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी है।

किसानों को ग्रीन अमोनिया से सस्ती खाद की उम्मीद

भारतीय कृषि लंबे समय से बढ़ती लागत और घटती आमदनी की चुनौती व पुरानी रुढ़िवादी तकनीक से जूझ रही है। डीजल,बिजली,बीज,कीटनाशक और उर्वरकों की कीमतों में वृद्धि ने किसानों के सामने आर्थिक संकट को और गहरा किया है। खेती की लागत में उर्वरकों की हिस्सेदारी भी काफी महत्वपूर्ण है। विशेष रूप से यूरिया की उपलब्धता और उसकी कीमत किसानों के लिए हमेशा एक बड़ा मुद्दा रही है। ऐसे में सरकार द्वारा ग्रीन अमोनिया के इस्तेमाल की संभावनाएं तलाशना एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा सकती है। यदि यह प्रयोग सफल होता है तो आने वाले समय में किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा बदलाव संभव है। हालांकि, इस पहल की वास्तविक सफलता केवल तकनीकी प्रयोग तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसका लाभ खेतों में काम करने वाले किसानों तक पहुंचना भी जरूरी है।



सौरभ वार्ष्णेय
उत्तमनगर,नई दिल्ली

किसानों के लिए खुश खबरी आई है कि सरकार छह राज्यों में लगभग 10 हजार एकड़ भूमि पर ग्रीन अमोनिया के उपयोग का परीक्षण कर रही है। इसका उद्देश्य यह समझना है कि पारंपरिक नाइट्रोजन आधारित उर्वरकों के विकल्प के रूप में



प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

इसका इस्तेमाल कितना प्रभावी और किफायती हो सकता है। ग्रीन अमोनिया का उत्पादन नवीकरणीय ऊर्जा से तैयार हाइड्रोजन के माध्यम से किया जाता है। इसके विपरीत परंपरागत अमोनिया उत्पादन में मुख्य रूप से प्राकृतिक गैस से प्राप्त हाइड्रोजन का उपयोग होता है। इस प्रक्रिया में ऊर्जा की अधिक खपत के साथ कार्बन उत्सर्जन भी होता है। इसलिए ग्रीन अमोनिया को न केवल कृषि की लागत कम करने,बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक संभावनाशील विकल्प माना जा रहा है।नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के सचिव संतोष सारंगी के अनुसार, अमोनिया को सीधे मिट्टी में डालने से उर्वरक की लागत मौजूदा स्तर से लगभग एक-तिहाई तक घट सकती है। यदि यह अनुमान व्यावहारिक रूप से सही साबित होता है तो खाद उत्पादन और कृषि अर्थव्यवस्था के लिए यह महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। लेकिन यहां एक बुनियादी सवाल भी है कि उत्पादन लागत में संभावित कमी का लाभ किसानों को किस रूप में मिलेगा? क्या इससे यूरिया की खुदरा कीमत घटेगी,या सरकार की सब्सिडी का बोझ कम होगा? इन सवालों का जवाब परीक्षण के परिणाम और सरकार की नीतिगत व्यवस्था से ही मिलेगा। दरअसल, भारत में यूरिया केवल एक औद्योगिक उत्पाद नहीं,बल्कि कृषि उत्पादन व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। देश में बड़ी संख्या में किसान नाइट्रोजन की पूर्ति के लिए यूरिया पर निर्भर हैं। सरकार किसानों को सस्ती दरों पर यूरिया उपलब्ध कराने के लिए भारी सब्सिडी देती है। इसके बावजूद अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस और कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर उर्वरक क्षेत्र पर पड़ता है। भारत को उर्वरकों के उत्पादन के लिए आवश्यक कच्चे माल और गैस की उपलब्धता के मामले में भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में स्वच्छ ऊर्जा आधारित अमोनिया का विकल्प देश की आयात निर्भरता कम करने में भी सहायक हो सकता है। हालांकि,ग्रीन अमोनिया को यूरिया का सीधा और तत्काल विकल्प मान लेना जल्दबाजी होगी। अमोनिया एक प्रभावी नाइट्रोजन स्रोत है,लेकिन इसका सुरक्षित भंडारण,परिवहन और खेतों में उपयोग विशेष तकनीकी सावधानी की मांग करता है। यह एक विषाक्त रसायन है और इसके रिसाव से मानव स्वास्थ्य तथा पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। इसलिए किसानों को इसके इस्तेमाल की उचित जानकारी, सुरक्षा उपकरण और आधुनिक कृषि तकनीक उपलब्ध कराना आवश्यक होगा। इसके अतिरिक्त मिट्टी की प्रकृति, फसल की जरूरत,मौसम और सिंचाई की परिस्थितियों के अनुसार इसके प्रभाव का वैज्ञानिक मूल्यांकन भी जरूरी है।

सबसे महत्वपूर्ण चुनौती ग्रीन अमोनिया की उत्पादन लागत है। नवीकरणीय ऊर्जा से हाइड्रोजन तैयार करने और उसके माध्यम से अमोनिया बनाने के लिए बड़े निवेश, आधुनिक तकनीक और पर्याप्त ऊर्जा की जरूरत होती है। जब तक इसका उत्पादन बड़े पैमाने पर प्रतिस्पर्धी कीमतों पर नहीं होगा, तब तक किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराने का लक्ष्य पूरी तरह हासिल करना आसान नहीं होगा। सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इस तकनीक के विकास का आर्थिक बोझ अंततः किसानों पर न पड़े। भारत में कृषि सुधारों की चर्चा अक्सर नई तकनीक और आधुनिक उत्पादन प्रणालियों तक सीमित रह जाती है, जबकि किसान की सबसे बड़ी चिंता उसकी लागत और उपज का उचित मूल्य है। ग्रीन अमोनिया की पहल को भी इसी कसौटी पर परखा जाना चाहिए।

सांझ-सवेरे भोले



सांझ-सवेरे मन ये मेरा,
भोले-भोले जपता है,
अक्षर-अक्षर शिव के रंग में,
होले-होले तपता है।
सांझ-सवेरे ....
जब-जब धरा का मौसम बदले,
रोम-रोम खिल जाते हैं,
कण-कण में भोले के निखरे,
रूप नजर आ जाते हैं।
सांझ-सवेरे ....
जब-जब हम भोले से मिलते,
मन का साज जवां होता है,
भोले ही तन-मन में होते,
फिर कोई और कहां होता।
सांझ-सवेरे .....
भोले की सुध में डूबा मन,
पल-पल डुबकी लेता है,
पलक झपकती है पल-पल,
मन बोलते-बोलते कहता है।
सांझ-सवेरे ...
तेरा-मेरा जीवन सारा,
मंद-मंद मुस्काता है,
डूब के भोले की भक्ति में,
जीवन सारा तर जाता है।
सांझ-सवेरे ...

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
इन्दौर,मध्यप्रदेश.

राधाकृष्ण की ललित लीलाओं ने दिया आधुनिक धार्मिक चित्रों को जन्म

ग्यारहवीं ईसवी शताब्दी के आसपास के समय पहली बार मंचों से खेला गया रंगमंच या नाट्य के महान अभिनेता के रूप में श्रीकृष्ण और नायिका राधा का अवदान पा जगत उनकी ऋणी हो गया है। आचार्य रामानुजाचार्य ने कृष्ण राधा को लेकर अनेक रूपक लिखे है जिसमें रूक्मणी स्वयंवर लिखने के बाद कंसवध लिखा किन्तु तत्कालीन समाज को इन नाटकों की प्रस्तुति से पूर्ण संतोष नहीं हुआ परन्तु भरपूर आनन्द पाने की उनकी स्वीकारोक्ति ने इस विधा में गहन संभावनाओं को पाया। तब के समाज के मन में इन दो चरित्रों को लीलारूप में देखने के बाद श्रीकृष्ण-राधा के जीवन की शेष लीलाओं को देखने की जिज्ञासा को पूर्णतृप्ति का आभास को पूर्ण संतुष्टि देने वाले पूर्वी अंचल में अवतरित गौरांग महाप्रभु थे जो श्रीकृष्ण-राधा की लावण्य लीलाओं के माध्यम से झूमते,गाते और नाचते हुये जन-जन के सामने भक्ति और ज्ञान की परमोत्कृष्टता से सबके प्रिय होते गये। यह वह समय था जब इन लीलाओं का मंचन हुआ तब कुछ चित्रकारों ने इन लीलाओं के मंचन के कुछ स्वरूप अपने मस्तिष्क में धारण कर उन्हें चित्र रूप में पहली बार प्रगट किया जिसे देखने के लिये अपार भीड़ जुटने लगी। तब इन चरित्रों के स्वरूपों का आधार मानकर कुछ चित्रकारों ने अपनी कल्पनाओं के पंख लगाकर राधा-कृष्ण के चित्रों को कई आयामों में चित्रित कर चित्रकारी को स्थापित किया है।



आत्माराम यादव
नर्मदापुरम,मध्यप्रदेश

आचार्य रामानुजाचार्य के नाटकों की प्रस्तुति से बनाये गये चित्रों ने पूरे भारत में एक क्रान्ति सी ला दी और लोकमत में इन चित्रों के कुछ मंदिरों की दीवालों पर उकेरने के बाद भीड़ द्वारा चित्रों की पूजा शुरू किये जाने से भी रोकना असंभव सा हो गया तब यह चित्र कपड़ों आदि पर बनाने का क्रम शुरू हुआ। श्रीमदभागवत में वर्णित लीलाओं-कथाओं को प्रमुखता से लिया जाकर तब के चित्रकारों ने रूक्मणी और सत्यभामा को श्रीकृष्ण के साथ न बिठाकर राधा को कृष्ण की सहचरी के रूप में अंकित करते हुये वृन्दावन के निकुंजा वन में श्रीकृष्ण,राधा और गोपियों के मध्य नृत्य करते,रूठते,मनाते,राधा को शयन किया छोड़कर अर्धरात्रि को बांसुरी बजाते, कभी बासुरी की तान पर थिरकते,यमुना के तट पर लीलायें करते चित्रित किया। ये चित्र जब लोगों ने देखें तो वे चित्रों के दीवाने हो गये और प्रत्येक व्यक्ति स्वयं को श्रीकृष्ण और युवती स्वयं को राधा रूप में मानते हुये उन्हें अपने अंतरमन में स्थापित कर एक दीवानगी को जीने लगे। पूरे देश में जहॉ-जहॉ जिन जनपदों-गॉवों में ये चित्रकारी पहुँची वहॉ के लोग गॉव की चौपाल को रंगमंच बनाकर खुद राधाकृष्ण के प्रति प्रेम रखते हुये पूरी श्रद्धा ओर वात्सल्य में डूब जाते। राधाकृष्ण की चित्रकारी के इस जुनून ने असम,बंगाल,उड़ीसा,में धूम मचाते हुये वहॉ की कीर्तन मण्डलियॉ कृष्ण-राधा की भक्ति में विरह के रस घोलते हुये कीर्तन लोगों के संताप का नाशक बन गया। उत्तरप्रदेश,गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान एवं मध्यप्रदेश ये सभी प्रदेश रियासतों में बॅटे हुये थे के भीतर वहॉ के राजा और राजघराने भी रास लोक कला, संगीत, नृत्य के अभिनय से लोकजीवन में भक्ति की गंगा बहाने लगे और चित्रकारों का मान बढ़ने के साथ चित्रकारी सर्वोच्च शिखर पर विराजित हो गयी। कृष्ण का जन्म भले मथुरा में हुआ किन्तु



प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

कृष्ण और राधा की उत्कृष्ट मूर्तियॉ के वे स्वरूप जिन्हें सदियों से हमारे पूर्वज एक धरोहर मानकर पूजा-अर्चना कर पूजते आये थे उन्हें मुस्लिम लुटेरा मोहम्मद गोरी सहित अन्य आंक्रान्तों द्वारा इन मंदिरों की बेशकीमती सम्पत्ति लूटने, मंदिरों को तोड़ने के साथ मूर्तियों को भी नुकसान पहुँचाया है। किन्तु दक्षिणभारत इनसे अछूता रहा और वहॉ श्रीकृष्ण की उत्कृष्ट मूर्तियों और चित्रकला को आज भी देखा जा सकता है। तेरहवी शताब्दी में कर्नाटक में मैसूर के पास सोमनाथपुरम का केशवमंदिर कलाशिल्प के रूप में विख्यात है। वास्तुशिल्प और मूर्तिकला के रूप में होयसल कारीगरों ने इसका निर्माण करते समय द्रविड़ शैली की अपेक्षा उत्तरी शिल्पकला को प्रमुख स्थान दिया और वैष्णव भक्ति से संबंधित इस क्षेत्र के मंदिरों में विष्णु के चौबीस अवतारों की मूर्तियां प्रायः सभी ओर देखी जा सकती है। मंदिर के तोरणों में या भित्तिचित्रों में श्रीकृष्ण के विभिन्न स्वरूप की कृतियों में कालिया नाग का वध, गोवर्धन उठाते श्री कृष्ण,वेणुगोपाल के रूप मे बंसी बजाते दिख जायेंगे। इन मंदिरों के शिल्पी होयसल स्वयं ही वास्तुविद भी थे जो मंदिरों की डिजाईनों में बहुरूपता को उकेरने में सिद्धस्थ थे। तेरहवीशदी के त्रिकुटाचल मंदिर में वैष्णव वास्तुकला और शास्त्र सिद्धि का प्रमाण है जहाँ इन कलाकारों के द्वारा अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का परिचय दिया। केशव मंदिर की दीवारों पर उत्कीर्ण विभिन्न लीलाओं में कृष्ण-केशी असर का युद्ध सहित वृन्दावन के निकुंजों के प्राकृतिक दृश्य को चित्रण ऐसा लगता है मानो आप स्वयं केशव मंदिर में न होकर वृंदावन के निकुंज वन में मौजूद हो। महान भारतीय शिल्प के दृश्यों में श्रीकृष्ण के सारथी रूप में श्रीकृष्ण का कलीदार मुकुट है जहाँ वे पीछे की ओर मुख किये अर्जुन को समझा रहे है चित्र अंकित है। राधाकृष्ण के चित्रों में जो श्रृंगार और भक्ति का सामंजस्य देश दुनिया के लोग देखते है वह अपने भक्तों की भावनाओं का पुष्पगुच्छ है। जयदेव द्वारा लिखित गीतगोविन्द के पदों में मृदंग की थाप पर नृत्यांगनाओं के घुंघरू भी जी जाते है और जगन्नाथपुरी के मंदिर व नदिया ही नहीं बल्कि पूरे बंगाल,असम और ओडिसी की भूमि गोविन्द मयी बन जाती है। इसी श्रृंखला में वल्लभाचार्य,चण्डीदास,विद्यापति,चन्द्रसखी, सूरदास,नंददास,कबीरदास,रैदास,मीराबाई और अष्टछाप के अन्य कवियों ने अपने काव्य काकली के माध्यम से हर पुरूष-नारी के मन में निगूढ राधाकृष्ण के अलावा किसी ओर को झॉकने नहीं दिया। जयदेव के गीतगोविन्द और श्रीमदभागवत के कृष्ण चरित्रों पर तब दुनिया भर के चित्रकार चित्रकारी के लिये आकृष्ट होकर आने लगे और तब दुनिया के सामने इन चित्रों को कलाकार की दृष्टि से पहचाने के लिये अनेक चित्रकारों द्वारा बनाये जाने के कारण चित्रसँख्या देकर उन चित्रों की गुणवत्ता एवं लोकप्रियता को स्थान दिया गया।

बीकानेर के राजकीय संग्राहालय में सत्रहवी शताब्दी के शुरूआत में गीतगोविन्द पर आधारित चित्रों को आज भी सुरक्षित रखा गया है जिसमें गीतगोविन्द के उस प्रसंग को लिया है जिसमें -'श्रीकृष्ण राधा के घर बरसाने गये हुये है जहॉ खेलते खेलते अंधेरा हो जाता है तब नन्दबाबा कहते है कि देखों राधा बादल छा रहे है,अंधेरा हो गया है,कृष्ण को जंगलसे डर लगता है,रास्ते में तमाल के पेड़ों के कारण अंधेरा हो गया है तुम कृष्ण को घर पहुँचा दो। कृष्ण आयु में राधा से छोटे है और राधा बड़ी है। राधा नंदबाबा के आदेश का पालन कर कृष्ण को घर पहुँचाने निकल पड़ती है, रास्ते में प्रणयकेलि में दोनों निमग्न हो जाते है। इस दृश्य को चित्रकारने अपनी कूची से बनाकर अमर कर दिया। इस चित्र में नीचे यमुना जी प्रवाहित हो रही है, जल में मीन और पक्षी तैर रहे है, तट पर तमाल के पेड़ है। पार्श्व में गोविन्द को बछड़ों के साथ एक ग्वाला हॉके जा रहा है। ऊपर पार्श्व में दोनों और महल बनाये है जिसमें वाम पार्श्व में राधा का तथा दक्षिण में कृष्ण का घर है। दोनों के मध्य सघन वृक्ष लगे है जिसके नीचे नन्द कृष्ण और राधा है। नन्द की वेशभूषा सत्रहवी सदी के राजस्थानी किसान की है, राधा घांघरा ओढ़नी पहने है,कृष्ण के मस्तिष्क पर मुकुट जैसी टोपी है। इस पूरे दृश्य को सूक्ष्मतम विवरण के साथ चित्रकार ने उभारा है। दाहिनी पार्श्व में राधाकृष्ण प्रणय आलिंगन में चित्रित किये ये है। चित्र इतना भव्य एवं आकर्षक है जिसे देखते ही किसी की भी नजर उससे नहीं हटती।

पाकिस्तान के लाहौर संग्रहालय में श्रीकृष्ण राधा के अनेक दुर्लभ चित्र लोगों को आकर्षित करते है वहीं लंदन के विक्टोरिया एण्ड अलबर्ट म्युजियम में गीत गाविन्द पर आधारित 15 वीं सें 18 वी शदी के अनेक प्रथम दर्जे के उत्कृष्टतम चित्र इस संग्रहालय की शोभा बढ़ा रहे हैं। दिल्ली के नेशनल म्युजिम में अठारवी शताब्दी के दक्षिणी शैली के कृष्ण-गोपी चित्रों पर कापी लिखा जा चुका है। इन मोहक चित्रों में एक चित्र दुर्लभ है जिसमें एक सफेद गाय कृष्ण के पावॅ अपनी जीभ से चाट रही है और बाएं पार्श्व में दो श्याम रंग की गायें ऊपर की ओर मुँह उठाये है। इसमें कृष्ण और गोपियां ब्रज परिधानों से सुशोभित है। इसी प्रकार के अनेक श्रेष्ठ चित्र न्यूयॉर्क के मेट्रोपॉलिटन म्युजियम में रखा गया है जो 16 सौ ईसवी का गोवर्धन धारण का दुर्लभ बहुरंगी मनोरम चित्र है वहीं दूसरा दुर्लभ चित्र सत्रहवी सदी के दो चित्र है जो आसाम के है। कहते है अंग्रेजी शासनकाल में अंग्रेजों द्वारा देश के बहुमूल्य चित्र जो सार्वजनिक मंदिरों में आस्था के केन्द्र थे उन्हें सहित अनेक विरासतों के राजाओं के महल से निकलकर लंदन पहुँचाया है जो उनकी धरोहर बने हुये है। इसके अलावा हमारे देश के अनेक भागों में, संग्रहालयों में देश की विभिन्न शैलियों के काष्ठ चित्र, कूचिका चित्र जिसमें रासलीला के विभिन्न प्रखर रंग और पात्रों की भूमिका अभिव्यक्त है वह देखने को मिल जायेंगे जो इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि हमारे देश में देवी-देवताओं सहित,राधाकृष्ण सीताराम, शिव पार्वती,लक्ष्मी नारायण आदि के चित्रों का प्रकाशन ग्यारहवी शताब्दी के बाद शुरू हुआ तब तक उनकी मूर्ति पूजा को भी स्थान नहीं मिला था।

बारहवी शताब्दी के बाद 18 वीं शताब्दी तक देवी देवताओं एवं भगवान के विभिन्न स्वरूपों-अवतारों के चित्रों के प्रकाश में आने के बाद उनका प्रिन्टिंग प्रेस के माध्यम से चित्रों के आधुनिक स्वरूप और ललित लीलाओं की परिकल्पनाओं को साकार करते प्रकाशन शुरू हुआ जो आज हमारी श्रद्धा और आस्था का प्र

राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह के साक्षी बने सरगुजा के 43 नागरिक,पीएम मोदी की मौजूदगी में देखी भव्य परेड

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के किए दर्शन,वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हुए शामिल,राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश लेकर लौट रहा दल





-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 नवम्बर 2026
(घटती-घटना)।

राष्ट्रीय एकता, अखंडता और देशभक्ति की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से सरगुजा जिले के ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों के 43 नागरिक गुजरात के एकतानगर में आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में शामिल हुए। सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर आयोजित इस भव्य राष्ट्रीय समारोह में सरगुजा के नागरिकों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में आयोजित राष्ट्रीय एकता परेड और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों को करीब से देखने का अवसर मिला। ऐतिहासिक आयोजन का साक्षी बनने के बाद यह दल राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश लेकर वापस लौट रहा है। पुलिस मुख्यालय रायपुर से प्राप्त निर्देशों के तहत छत्तीसगढ़ के 14 जिलों के नागरिकों को इस राष्ट्रीय आयोजन में शामिल कराने की पहल की गई थी। इसी क्रम में सरगुजा जिले के लुंड्रा,धौरपुर,मैनपाट, उदयपुर,केदमा,बतौली एवं सीतापुर थाना-चौकी क्षेत्रों से 43 नागरिकों का चयन कर दल रवाना किया गया। 28 अक्टूबर को विशेष ट्रेन से रवाना हुआ दल 30 अक्टूबर को गुजरात के एकतानगर पहुंचा।

182 मीटर ऊंची प्रतिमा के किए दर्शन : यात्रा के दौरान 30 अक्टूबर को दल के सदस्यों ने विश्व की सबसे ऊंची 182 मीटर की स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र निर्माण और देश की एकता में दिए गए ऐतिहासिक योगदान को करीब से जाना। शाम को सदस्यों ने देशभक्ति पर आधारित नाट्य प्रस्तुति 'मां ने फिर बुलाया है' (आनंद मठ) का आनंद लिया।

प्रधानमंत्री की मौजूदगी में देखी राष्ट्रीय एकता परेड : 31 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह का मुख्य आकर्षण भव्य परेड रही। इसमें देश के विभिन्न सुरक्षा बलों और पुलिस टुकड़ियों ने अपने शौर्य, अनुशासन और सामर्थ्य का प्रदर्शन किया। सरगुजा के नागरिकों के लिए यह अनुभव विशेष रोमांच और गौरव का विषय रहा।

नक्सलवाद के खिलाफ सफलता और वंदे मातरम् की गूंज

समारोह में वर्ष 2026 के दौरान सशस्त्र नक्सलवाद के विरुद्ध सुरक्षा बलों की उपलब्धियों और शांति स्थापना के प्रयासों को भी प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया। वहीं वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पूरे आयोजन को राष्ट्रप्रेम के रंग में रंग दिया।

एसएसपी ने दी शुभकामनाएं...

डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल (भा.पु.से.) ने राष्ट्रीय स्तर के इस भव्य आयोजन में शामिल होकर लौट रहे सभी 43 सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इस तरह के राष्ट्रीय आयोजनों में सहभागिता से नागरिकों में राष्ट्र निर्माण, देश की अखंडता और सुरक्षा बलों के प्रति सम्मान की भावना मजबूत होती है। उन्होंने विश्वास जताया कि दल के सदस्य अपने-अपने क्षेत्रों में लौटकर राष्ट्रीय एकता, अखंडता, आपसी भाईचारे और देशभक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाएंगे। ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों के नागरिकों को राष्ट्रीय स्तर के आयोजन से जोड़ने की यह पहल उन्हें देश की विविधता, सांस्कृतिक विरासत और सुरक्षा बलों के योगदान को करीब से समझने का अवसर प्रदान करने वाली साबित हुई।

हड़ताली 819 पटवारियों को काम पर लौटने का अल्टीमेटम,सभी को जारी हुए शो-कॉज नोटिस

संभागायुक्त नरेंद्र दुग्गा सख्त,तत्काल कार्यभार ग्रहण कर व्यक्तिगत स्पष्टीकरण देने के निर्देश,अनुपस्थिति अवधि मानी जाएगी ब्रेक इन सर्विस

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 नवम्बर 2026
(घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग में पटवारियों की हड़ताल को लेकर प्रशासन ने अब सख्त रुख अपना लिया है। संभाग के सभी छह जिलों में हड़ताल पर गए 819 पटवारियों को तत्काल काम पर लौटने का अल्टीमेटम दिया गया है। संभागायुक्त नरेंद्र दुग्गा के निर्देश पर संबंधित अनुविभागीय दंडाधिकारियों (एसडीएम) ने सभी हड़ताली पटवारियों को शो-कॉज नोटिस जारी कर तत्काल अपने मुख्यालय में उपस्थित होकर कार्यभार ग्रहण करने तथा उसी दिन तहसीलदार के माध्यम से व्यक्तिगत लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि निर्धारित समय पर उपस्थित नहीं होने और स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं करने वाले पटवारियों के विरुद्ध एकपक्षीय अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। जारी नोटिस के अनुसार सूरजपुर जिले के 192,सरगुजा के 216, कोरिया के 60,मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) के 51,जशपुर के 150 तथा बलरामपुर जिले के 150 पटवारी कार्रवाई के दायरे में हैं।

राजस्व और किसान हित के काम प्रभावित

संभागायुक्त नरेंद्र दुग्गा ने कहा है कि सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति अथवा स्वीकृत अवकाश के बिना ड्यूटी से अनुपस्थित रहने के कारण कई महत्वपूर्ण और समयबद्ध सरकारी कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इनमें डिजिटल क्रॉप सर्वे,फिजिकल वेरिफिकेशन,एग्रीस्टैक तथा आगामी धान खरीदी के लिए किसानों के अभिलेखों का सत्यापन जैसे जरूरी कार्य शामिल हैं। इसके अलावा आय,जाति एवं निवास प्रमाणपत्रों के लिए जांच प्रतिवेदन,नामांतरण,बंटवारा,सीमांकन और राजस्व न्यायालयों से जुड़े प्रकरणों का निराकरण भी प्रभावित हो रहा है। प्रशासन की चिंता इसलिए भी बढ़ गई है क्योंकि चक्रवाती तूफान के कारण विभिन्न क्षेत्रों



में फसलों को हुए नुकसान का त्वरित सर्वेक्षण और आकलन किया जाना है। इसके आधार पर पात्र किसानों को राहत उपलब्ध कराने की प्रक्रिया भी समयबद्ध तरीके से पूरी करनी है। पटवारियों की अनुपस्थिति से फसल क्षति सर्वेक्षण जैसे अत्यावश्यक कार्यों में बाधा आ रही है, जिसका सीधा असर किसानों और आम नागरिकों पर पड़ रहा है।

बलरामपुर में पांच पटवारी निलंबित

प्रशासनिक सख्ती का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि बलरामपुर जिले में मुख्यालय पर निवास नहीं करने के कारण पांच पटवारियों के विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई भी की गई है। वहीं संभाग के सभी हड़ताली पटवारियों को तत्काल काम पर लौटकर शासकीय दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि अनधिकृत अनुपस्थिति की अवधि के वेतन और अन्य सेवा लाभों पर नियमानुसार निर्णय लिया जाएगा तथा संबंधित अवधि को सेवा में व्यवधान (ब्रेक इन सर्विस) माना जाएगा। ऐसे में पटवारियों की हड़ताल के बीच प्रशासन के इस कड़े रुख से अब आंदोलन और सरकारी कार्रवाई के बीच टकराव बढ़ने की संभावना है।

ज्ञानेश कुमार और भाजपा के कथित गठबंधन के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन,गांधी चौक पर गूंजे नारे

दिल्ली की महारैली के समर्थन में जिला मुख्यालय पर जुटे कांग्रेस कार्यकर्ता,गांधी प्रतिमा की सफाई कर किया माल्यार्पण

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 नवम्बर 2026
(घटती-घटना)।

दिल्ली में 1 नवंबर को कांग्रेस द्वारा आयोजित महारैली के समर्थन में सरगुजा जिला मुख्यालय अम्बिकापुर के गांधी चौक पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन कर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और भाजपा के कथित गठबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आह्वान पर आयोजित इस प्रदर्शन में उन कार्यकर्ताओं ने स्थानीय स्तर पर विरोध दर्ज कराया,जो दिल्ली में आयोजित महारैली में शामिल नहीं हो सके। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सबसे पहले गांधी चौक स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा की साफ-सफाई की और माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार तथा भाजपा के साथ कथित गठजोड़ के विरोध में नारेबाजी करते हुए लोकतंत्र और निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था को लेकर अपनी आवाज बुलंद की। कांग्रेस सेवादल के प्रदेश महासचिव एवं प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे विनित विशाल जायसवाल ने कहा कि कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता अपने नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में देश से तानाशाही समाप्त करने और लोकतंत्र की स्थापना के



संघर्ष में लगातार जुटा रहेगा। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता की रक्षा के लिए कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा। दिल्ली की महारैली के समर्थन में जिलेभर में कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर अपना विरोध दर्ज कराया है।

इस दौरान श्रीमती मधु दीक्षित,लोकेश कुमार, जमील खान,गुरुप्रीत सिद्धू,लूकस एक्का,चंद्रप्रकाश सिंह,निकी खान,प्रीति सिंह,मालती सिंह,विष्णु सिंहदेव, मो.इमरान,तृप्तराज धंजल,अली सोहेल,तीरथ चौधरी, नवनीत तिवारी,मो.मुनव्वर खान,शुभेंदु घोष,देवेश त्रिपाठी,चंचला सांडिल्य,मो.फरहान,विशासिन्हा, देविका सिंह,प्रणय बोस,संतोष गुप्ता,छन्नू राम राजवाड़े,मो.इरफान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सरगुजा को आईआईटी की तर्ज पर सीजीआईटी की सौगात

शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज का नामकरण बाबा कार्तिक उरांव के नाम पर,100 एकड़ में विकसित होगा संस्थान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 नवम्बर 2026
(घटती-घटना)।

सरगुजा को तकनीकी शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में बड़ी सौगात मिली है। अंबिकापुर के शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय को छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (सीजीआईटी) के रूप में विकसित किया जाएगा। संस्थान का नाम अब 'अभियंता बाबा कार्तिक उरांव छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी,अंबिकापुर'होगा। आई आई टी की तर्ज पर विकसित होने वाले इस संस्थान से सरगुजा में तकनीकी शिक्षा, शोध और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। प्रदेश के सभी 11 लोकसभा क्षेत्रों में एक-एक सीजीआईटी विकसित करने की पहल के तहत सरगुजा लंबे समय से इस सुविधा से वंचित था। अब अंबिकापुर के इंजीनियरिंग कॉलेज को सीजीआईटी के रूप में विकसित करने की पहल से प्रदेश में ऐसे संस्थानों की संख्या सात हो जाएगी। शेष चार लोकसभा क्षेत्रों में भी संस्थान विकसित किए जाने की योजना है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने जनवरी 2024 में ही तकनीकी शिक्षा संचालक को पत्र लिखकर अंबिकापुर के इंजीनियरिंग कॉलेज को सीजीआईटी के रूप में विकसित



करने की पहल की थी। 29 अक्टूबर को मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दौरान सरगुजा सांसद ने पत्र प्रस्तुत कर और दूरभाष पर चर्चा कर इस मांग को आगे बढ़ाया। इस पहल से दो महत्वपूर्ण उद्देश्य पूरे होंगे। एक ओर महान अभियंता बाबा कार्तिक उरांव के नाम पर संस्थान की पहचान स्थापित होगी, वहीं दूसरी ओर सरगुजा लोकसभा क्षेत्र में सीजीआईटी विकसित करने का मार्ग प्रशस्त होगा। संस्थान के प्राचार्य डॉ. आरएन खरे ने सांसद चिंतामणि महाराज से मुलाकात कर आभार जताया। इस पहल में इंदर भगत का भी विशेष योगदान रहा।

100 एकड़ में विकसित होगा परिसर

वर्तमान में संस्थान के पास करीब 42 एकड़ भूमि उपलब्ध है। भविष्य की जरूरतों को देखते हुए परिसर को 100 एकड़ में विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए जिला प्रशासन से 58 एकड़ अतिरिक्त भूमि उपलब्ध कराने का अनुरोध किया जाएगा। संस्थान के मास्टर प्लान के अनुसार निर्माण कार्यों और आधारभूत सुविधाओं का प्राक्कलन तैयार कराने के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) से सहयोग लिया जाएगा। इसके आधार पर अतिरिक्त बजट के लिए राज्य शासन को प्रस्ताव भेजा जाएगा।

नए तकनीकी पाठ्यक्रम होंगे शुरू

संस्थान में वर्तमान में सिविल,इलेक्ट्रिकल,मैकेनिकल,कंप्यूटर साइंस और माइनिंग इंजीनियरिंग में बीटेक और एमटेक पाठ्यक्रम संचालित हैं। सिविल, इलेक्ट्रिकल और माइनिंग विषयों में कार्यरत पेशेवरों के लिए भी बीटेक और एमटेक कार्यक्रम उपलब्ध हैं। इसी शैक्षणिक सत्र से एमबीए पाठ्यक्रम शुरू किया गया है। शैक्षणिक विस्तार के तहत कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में नए बीटेक पाठ्यक्रम शुरू करने के प्रस्ताव तैयार किए गए हैं।

स्वायत्त तकनीकी संस्थान बनाने का लक्ष्य...

संस्थान को भविष्य में स्वतंत्र और स्वायत्त तकनीकी संस्थान के रूप में विकसित करने की योजना है। यहां आईआईटी की तर्ज पर आधुनिक प्रयोगशालाएं, गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा,अनुसंधान,नवाचार और उद्योगों के साथ सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। दीर्घकालीन लक्ष्य इसे प्रदेश के अग्रणी तकनीकी एवं शोध केंद्र के रूप में विकसित कर प्रतिष्ठित प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के स्वरूप तक पहुंचाना है। संस्थान ने इस उपलब्धि के लिए मुख्यमंत्री,सरगुजा सांसद,जिला प्रशासन,तकनीकी शिक्षा विभाग और शासन के संबंधित अधिकारियों के प्रति आभार जताया है।

कुत्ते के काटने के बाद झाड़-फूंक कराते रहे परिजन,महिला की मौत

15 दिन पहले पैर में काटा था,समय पर पूरा एंटी रेबीज उपचार नहीं मिलने से बिगड़ी हालत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले के चंदौरा थाना क्षेत्र में श्वान के काटने के बाद समय पर पूरा उपचार नहीं मिलने से 45 वर्षीय महिला की मौत हो गई। महिला को श्वान ने करीब 15 दिन पहले पैर में काटा था। परिजन उसे घटना के तीसरे दिन प्रतापपुर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने एंटी रेबीज के दो इंजेक्शन लगाए और पांच से छह दिन बाद दोबारा आने की सलाह दी। लेकिन परिजन अस्पताल जाने के बजाय गांव में ही जड़ी-बूटी और झाड़-फूंक से इलाज कराते रहे। हालत बिगडऩे पर महिला को मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराया गया,जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार,लोहारी कोड़ाकू (45) पति पुरुषोत्तम कोड़ाकू ग्राम लामाधकी, थाना चंदौरा, जिला सूरजपुर की निवासी थी। वह गांव के एक होटल में काम करती थी। करीब 15 दिन पहले काम के दौरान एक श्वान ने उसके पैर में काट लिया था। परिजन उसे तत्काल अस्पताल नहीं ले गए। घटना के तीसरे दिन प्रतापपुर अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर ने एंटी रेबीज के दो इंजेक्शन लगाए और निर्धारित समय पर दोबारा उपचार कराने की सलाह दी थी। श्वान के काटने के बाद पूरा उपचार नहीं मिलने के कारण तीन दिन पहले महिला की तबीयत बिगडऩे लगी। उसे बुखार और पूरे शरीर में तेज दर्द होने लगा। शनिवार को परिजन उसे फिर प्रतापपुर अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई।

सड़क पर फैली रेत से बाइक अनियंत्रित,13 वर्षीय किशोर की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

शहर के डिगमा स्थित इंजीनियरिंग कॉलेज के पास शनिवार को सडक़ पर फैली रेत के कारण बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल 13 वर्षीय किशोर को मिशन अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, अंश मंडल पिता सुजीत मंडल (13) गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम डिगमा नेहरू नगर का निवासी था। शनिवार दोपहर करीब 2.30 बजे वह दोस्तों के साथ बाइक से घूमने निकला था। शाम करीब 3.45 बजे एक पड़ोसी ने अंश के पिता को फोन कर बताया कि उनका बेटा इंजीनियरिंग कॉलेज के पास घायल अवस्था में पड़ा है।

पिल्खा पहाड़ पर स्थापित होगी हनुमान जी की विशाल प्रतिमा,मोरभंज डेम के पास बनेगा शिव मंदिर...

पिल्खा शिव सेवा समिति मोरभंज का गठन,नरेश मलिक अध्यक्ष और राम भरोस बनाए गए सचिव

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 नवम्बर 2026
(घटती-घटना)।

धार्मिक आस्था और सामाजिक एकजुटता की दिशा में पहल करते हुए 1 नवंबर 2026 को दोपहर 12 बजे मोरभंज में बैठक आयोजित कर पिल्खा शिव सेवा समिति मोरभंज का गठन किया गया। बैठक में क्षेत्र की धार्मिक पहचान को नई ऊंचाई देने के उद्देश्य से पिल्खा पहाड़ पर भगवान हनुमान की विशाल प्रतिमा स्थापित करने तथा मोरभंज डेम के समीप भव्य शिव मंदिर का निर्माण कराने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया।

इस अवसर पर प्रस्तावित शिव मंदिर निर्माण के लिए विधिवत भूमि पूजन भी किया गया। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों को संगठित रूप से आगे बढ़ाने और निर्माण कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने



का संकल्प लिया। बैठक के पश्चात श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारा एवं प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। समिति के गठन के दौरान सर्वसम्मति से नरेश मलिक को अध्यक्ष, राम भरोस को सचिव, कमलेश सोनी को कोषाध्यक्ष तथा हीरोदास और संजीत सरकार को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं संजय दास को सह सचिव, कमलकांत सेन को सह कोषाध्यक्ष तथा शर्मिला मलिक को महिला प्रभारी मनोनीत किया गया।

कार्यकारिणी सदस्य के रूप में पप्पू विश्वास,अनिमेष दास,अनिमेष हालदार,गणेश मलिक,विजयानंद राय,शिवरतन,मनमत विश्वास,तपन विश्वास,सोनूदास, राजूदास बाबू,संजय मंडल,देवब्रत बछाड़,तेजिंदर सिंह अरोड़ा,विकास श्रीवास्तव,राजेश रावत,प्रमोद चौधरी बागर,शिवदास,आयुषदास शिवदास, रोहित दास वंशदास,अनिरुद्ध जिगर, द विश्वास,शर्मिला मलिक,आरती मलिक,ललिता मलिक,संजूदास एवं राखीदास सहित अन्य सदस्यों को शामिल किया गया। समिति के गठन और मंदिर निर्माण की पहल को क्षेत्र में धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ सामाजिक एकता और सामूहिक सहभागिता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मधुमक्खियों के झुंड ने किया हमला,युवक की मौत

पड़ोसी के साथ जंगल में लकड़ी लेने गया था,एक अन्य युवक उपचार के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 नवम्बर 2026
(घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले के लटोरी चौकी क्षेत्र के ग्राम कल्याणपुर में जंगल में लकड़ी लेने गए दो युवकों पर मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर दिया। हमले में दोनों युवक घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए कल्याणपुर अस्पताल ले जाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद एक युवक की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रेफर किया गया,जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं,दूसरे युवक को उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। जानकारी के अनुसार, रवि दास (46) पिता जीतू दास ग्राम कल्याणपुर,चौकी लटोरी का निवासी था। वह 31 अक्टूबर की दोपहर करीब 2 बजे अपने पड़ोसी कोमल रवि के साथ कल्याणपुर जंगल में लकड़ी लेने गया था। इसी दौरान अचानक मधुमक्खियों के झुंड ने दोनों पर हमला कर दिया। मधुमक्खियों से बचने के लिए रवि वहां से भागकर घर पहुंचा और परिजन को घटना की जानकारी दी। इसके बाद परिजन उसे लेकर कल्याणपुर अस्पताल पहुंचे। वहीं, कोमल रवि भी अस्पताल पहुंच चुका था। दोनों का उपचार किया गया। रवि की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रेफर कर दिया।

मध्यस्थता से विवादों के निराकरण के लिए न्यायिक अधिकारियों को दिया प्रशिक्षण

इंटरैक्टिव रोल प्ले के जरिए सिखाए व्यावहारिक गुर,पक्षकारों के बीच संवाद और सहमति बनाने पर जोर

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 नवम्बर 2026
(घटती-घटना)।

न्यायालयों में लंबित प्रकरणों का मध्यस्थता के माध्यम से त्वरित और सौहार्दपूर्ण निराकरण करने के उद्देश्य से रविवार को सरगुजा संभाग के न्यायिक अधिकारियों के लिए एक दिवसीय द्वितीय इंटरैक्टिव रोल प्ले प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें सरगुजा,जशपुर और कोरिया जिले के न्यायिक अधिकारियों ने हिस्सा लिया। यह प्रशिक्षण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय एवं राज्य के जिला न्यायालयों में संचालित मध्यस्थता केंद्रों की निगरानी के लिए गठित समिति और छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण,बिलासपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सरगुजा के मार्गदर्शन में हुए इस कार्यक्रम में पोटेंशियल ट्रेनर अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश ओम प्रकाश चौहान और छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की वरिष्ठ अधिवक्ता हमीदा सिद्दीकी ने प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के दौरान इंटरैक्टिव रोल प्ले के माध्यम से वास्तविक विवादों जैसी परिस्थितियां तैयार कर न्यायिक अधिकारियों को मध्यस्थता की प्रक्रिया का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। इसमें पक्षकारों से प्रभावी संवाद स्थापित करने, उनकी समस्याओं और अपेक्षाओं को धैर्यपूर्वक सुनने,विवाद के मूल कारणों को समझने तथा आपसी सहमति से समाधान तक पहुंचने के लिए प्रेरित करने की तकनीकों पर जोर दिया गया। प्रशिक्षकों ने बताया कि मध्यस्थता के जरिए विवादों का समाधान होने से न्यायालयों में लंबित प्रकरणों का बोझ कम किया जा सकता है। साथ ही पक्षकारों को आपसी संवाद और सहमति से विवाद सुलझाने का अवसर मिलता है। इस तरह के प्रशिक्षण से न्यायिक अधिकारियों की मध्यस्थता संबंधी दक्षता बढ़ेगी और वैकल्पिक विवाद समाधान प्रणाली को मजबूती मिलेगी।



CMYK



13 किलोमीटर सड़क चौड़ीकरण पर फिर पेच...कोई 7 तो कोई 11 मीटर का पक्षधर,9 मीटर पर प्रशासन कायम

सड़क चौड़ीकरण पर सहमति का इंतजार,82 लोग प्रभावित,मुआवजा प्रक्रिया शुरू,कलेक्टर ने फिर कराई अंतिम नाप की तैयारी

बैकुंठपुर को कैसी सड़क चाहिए? 7 मीटर की मांग,9 मीटर का आदेश और 11 मीटर की जरूरत का तर्क

बैठक पर बैठक,प्रस्ताव पर प्रस्ताव... बैकुंठपुर की सड़क आखिर कितनी चौड़ी होगी?

शहर के भविष्य की सड़क पर वर्तमान की खींचतान,9 मीटर चौड़ीकरण पर भी नहीं थम रहा विवाद

13 मीटर से 9 मीटर तक सिमटा प्रस्ताव, अब 7 मीटर की मांग,11 मीटर के पक्ष में भी उठी आवाज...

82 प्रभावितों का मुआवजा शुरू,नजूल भूमि का होगा नवीनीकरण,फिर भी सड़क चौड़ीकरण पर असमंजस



13 किलोमीटर सड़क,82 प्रभावित परिवारों का मामला

खरवत चौक से जमगहना स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-43 के फोरलेन मार्ग तक लगभग 13 किलोमीटर लंबी सड़क का चौड़ीकरण प्रस्तावित है,इस परियोजना में करीब 82 लोगों के प्रभावित होने का अनुमान लगाया गया है,सड़क चौड़ीकरण के दायरे में आने वाले लोगों की भूमि और संपत्ति से जुड़े मामलों को लेकर प्रशासन ने मुआवजे की प्रक्रिया शुरू कर दी है,यह परियोजना केवल सड़क की चौड़ाई बढ़ाने तक सीमित नहीं है,बल्कि इससे प्रभावित परिवारों की भूमि,मकान,दुकान और अन्य संपत्तियों से जुड़े हित भी जुड़े हुए हैं,ऐसे में प्रशासन के सामने चुनौती है कि विकास कार्य के साथ प्रभावित लोगों को नियमानुसार मुआवजा और आवश्यक राहत उपलब्ध कराई जाए,किसी भी सड़क परियोजना में प्रभावित लोगों की आपत्तियों और आशंकाओं को सुनना जरूरी है,जिन लोगों की संपत्ति प्रभावित हो रही है, उनके लिए यह केवल सड़क निर्माण का मामला नहीं,बल्कि उनकी आजीविका और वर्षों से स्थापित व्यवसाय से भी जुड़ा विषय हो सकता है,इसलिए प्रशासन की ओर से मुआवजे की प्रक्रिया शुरू करना और व्यक्तिगत समस्याओं को सुनना महत्वपूर्ण कदम है।

-संवाददाता-
बैकुंठपुर,01 नवम्बर 2026
(घटती-घटना)।

कोरिया जिला मुख्यालय बैकुंठपुर की सड़क चौड़ीकरण परियोजना अब विकास की जरूरत और व्यक्तिगत हितों के बीच उलझती नजर आ रही है,शहर को बेहतर यातायात सुविधा देने के उद्देश्य से प्रस्तावित इस महत्वपूर्ण परियोजना पर लंबे समय से चर्चा चल रही है,कभी 11 मीटर चौड़ी सड़क बनाने की बात सामने आई, फिर प्रस्ताव घटाकर 9 मीटर किया गया और अब कुछ प्रभावित लोगों की ओर से इसे 7 मीटर तक सीमित रखने की मांग की जा रही है, दूसरी ओर शहर के कई नागरिकों का तर्क है कि जब वर्षों बाद सड़क चौड़ीकरण का अवसर मिल रहा है तो इसे 9 मीटर तक सीमित करने के बजाय 11 मीटर किया जाना चाहिए,ताकि आने वाले लंबे समय तक शहर को पर्याप्त सड़क सुविधा मिल सके।

यानी एक ही सड़क के लिए तीन अलग-अलग मांगें सामने हैं, कुछ लोग 7 मीटर चाहते हैं,प्रशासन 9 मीटर के प्रस्ताव पर आगे बढ़ना चाहता है,जबकि शहर का एक वर्ग 11 मीटर चौड़ीकरण की जरूरत बता रहा है,इस पूरे विवाद के बीच 13 किलोमीटर सड़क परियोजना में लगभग 82 लोगों के प्रभावित होने का अनुमान है और उनके मुआवजे की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है,कलेक्टर रोक्तिमा यादव ने प्रभावित लोगों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए नजूल भूमि के नवीनीकरण की प्रक्रिया भी जल्द शुरू कराने की बात कही है, प्रशासन का स्पष्ट प्रयास है कि किसी भी प्रभावित व्यक्ति के साथ अन्याय या अनावश्यक नुकसान न हो,लेकिन सड़क चौड़ीकरण का काम भी अब और लंबित नहीं रहना चाहिए,इसके लिए सभी पक्षों से सहमति बनाने की कोशिश की जा रही है,अब सवाल यह है कि आखिर बैकुंठपुर की सड़क कितनी चौड़ी होगी और वर्षों से लंबित यह परियोजना कब धरातल पर उतरेगी?

नजूल भूमि का नवीनीकरण भी बनेगा समाधान का रास्ता

सड़क चौड़ीकरण को लेकर प्रभावित लोगों के सामने केवल मुआवजे का ही सवाल नहीं है, बल्कि नजूल भूमि से जुड़े दस्तावेज और उनके नवीनीकरण की प्रक्रिया भी एक महत्वपूर्ण विषय है, कलेक्टर रोक्तिमा यादव ने बैठक में कहा कि जिन लोगों की जमीन नजूल भूमि के अंतर्गत आती है,उनके नवीनीकरण की प्रक्रिया भी जल्द से जल्द शुरू कराने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे,इस पहल से उन प्रभावित लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है,जिनकी भूमि नजूल श्रेणी में है और जिनके दस्तावेजी मामलों को लेकर शंकाएं हैं,हालांकि, नवीनीकरण की प्रक्रिया नियमानुसार और पात्रता के आधार पर पूरी की जाएगी,प्रशासन की कोशिश है कि भूमि संबंधी मामलों को स्पष्ट कर प्रभावित लोगों की आशंकाओं को दूर किया जाए,ताकि सड़क चौड़ीकरण की प्रक्रिया आगे बढ़ सके,कलेक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रशासन किसी का नुकसान नहीं चाहता और प्रभावित परिवारों की समस्याओं को समझते हुए उचित कदम उठाए जा रहे हैं,ऐसे में मुआवजा और नजूल भूमि के नवीनीकरण की प्रक्रिया इस परियोजना में सहमति बनाने के महत्वपूर्ण आधार बन सकते हैं।

11 मीटर से 9 मीटर और अब 7 मीटर की मांग,आखिर विवाद कहां?

सड़क चौड़ीकरण के पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल सड़क की प्रस्तावित चौड़ाई को लेकर है,शुरुआत में 11 मीटर चौड़ी सड़क की चर्चा थी,इसके बाद प्रस्तावित चौड़ाई घटाकर 9 मीटर की गई, इसके बावजूद कुछ लोगों की ओर से 7 मीटर तक चौड़ीकरण रखने की मांग की जा रही है,प्रशासन की ओर से 9 मीटर चौड़ीकरण के प्रस्ताव को स्वीकृत परियोजना के अनुरूप बताया गया है,बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि 9 मीटर चौड़ीकरण का आदेश आ चुका है और इसी के आधार पर आगे की प्रक्रिया की जा रही है,अब सवाल यह है कि जब प्रस्तावित चौड़ाई पहले ही 11 मीटर से घटाकर 9 मीटर की जा चुकी है,तब इसे और घटाकर 7 मीटर करने की मांग का आधार क्या है? प्रभावित लोगों की आपत्तियों को समझना जरूरी है,लेकिन सड़क चौड़ीकरण के मूल उद्देश्य और शहर की भविष्य की जरूरतों को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता,यदि सड़क की चौड़ाई लगातार घटाने की मांग उठती रहेगी तो परियोजना का स्वरूप ही प्रभावित हो सकता है,इसलिए यह जरूरी है कि सभी पक्षों के तर्कों को सुनने के बाद तकनीकी और सार्वजनिक हित के आधार पर अंतिम निर्णय लिया जाए।

शहरवासियों की मांग—9 नहीं,11 मीटर हो चौड़ीकरण...

इस पूरे मामले का एक दूसरा महत्वपूर्ण पहलू भी है,जहां कुछ प्रभावित लोग 7 मीटर चौड़ीकरण की मांग कर रहे हैं,वहीं शहर के कई नागरिकों का कहना है कि 9 मीटर भी भविष्य की जरूरतों के हिसाब से पर्याप्त नहीं हो सकता,उनका तर्क है कि सड़क चौड़ीकरण वर्षों बाद होने जा रहा है,इसलिए इसे दूरगामी सोच के साथ किया जाना चाहिए,शहरवासियों का कहना है कि यदि सड़क की चौड़ाई 11 मीटर रखी जाती है तो भविष्य में बढ़ते यातायात के दबाव को संभालने में अधिक सुविधा होगी, वर्तमान में 11 मीटर की अपेक्षा से प्रस्ताव को 9 मीटर तक सीमित किए जाने के बाद कुछ लोगों को आशंका है कि आने वाले वर्षों में सड़क फिर संकरी महसूस होने लगेगी,उनका तर्क है कि आज यदि सड़क को कम चौड़ा बनाया गया और कुछ वर्षों बाद यातायात का दबाव बढ़ने पर फिर चौड़ीकरण की जरूरत पड़ी तो दोबारा भूमि और संपत्ति प्रभावित हो सकती है,इससे न केवल लोगों को फिर परेशानी होगी,बल्कि सरकारी संसाधनों और निर्माण लागत पर भी अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है,यह तर्क भी विचारणीय है कि एक बार सड़क चौड़ीकरण होने के बाद लंबे समय तक शहर को सुविधा मिलनी चाहिए,हालांकि, 11 मीटर चौड़ीकरण की मांग पर अंतिम निर्णय परियोजना की तकनीकी स्वीकृति, उपलब्ध भूमि,लागत और संबंधित नियमों के अनुरूप ही संभव होगा।

9 मीटर में सड़क के साथ नाली, शोल्डर और डिवाइडर की व्यवस्था

30 अक्टूबर 2026 को कलेक्टर रोक्तिमा यादव की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में 9 मीटर चौड़ीकरण के पक्ष में कई महत्वपूर्ण तर्क रखे गए। बताया गया कि प्रस्तावित चौड़ाई में सड़क के साथ नाली,शोल्डर और रोड डिवाइडर के लिए स्थान उपलब्ध हो सकेगा,इससे केवल आवागमन ही नहीं,बल्कि सड़क के आसपास की सुविधाओं को व्यवस्थित करने में भी मदद मिल सकती है,बैठक में व्यापारी संघ के अधिकांश सदस्यों ने 9 मीटर चौड़ीकरण पर सहमति जताई,जबकि कुछ लोगों ने इसे 7 मीटर तक सीमित रखने का आग्रह किया,इससे स्पष्ट है कि प्रभावित परिवारों और व्यापारियों के बीच भी इस विषय पर एक जैसी राय नहीं है,सड़क की वास्तविक उपयोगिता केवल उसकी चौड़ाई से तय नहीं होती,उसके साथ नाली,जल निकासी, शोल्डर,पैदल आवागमन और यातायात प्रबंधन की व्यवस्था भी महत्वपूर्ण होती है, इसलिए अंतिम निर्णय में इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखना जरूरी है।

कलेक्टर की पहल—किसी का नुकसान नहीं,लेकिन चौड़ीकरण जल्द शुरू हो-कलेक्टर रोक्तिमा यादव ने बैठक में प्रभावित परिवारों और व्यवसायियों की बातों को गंभीरता से सुना,उन्होंने सभी पक्षों को समझाने और उनकी समस्याओं का समाधान निकालने पर जोर दिया,प्रशासन की ओर से यह प्रयास किया जा रहा है कि सड़क चौड़ीकरण के दौरान किसी व्यक्ति को अनावश्यक नुकसान न हो और मुआवजे सहित भूमि से जुड़े मामलों का नियमानुसार निराकरण किया जाए, कलेक्टर का यह भी कहना है कि सड़क चौड़ीकरण का काम जल्द से जल्द शुरू होना चाहिए,इसके लिए सभी पक्षों को सहमति बनाने की दिशा में आगे आना होगा,उन्होंने एक बार फिर अंतिम नाप कराने की बात कही,ताकि किसी भी प्रभावित व्यक्ति को सड़क की सीमा, अपनी भूमि या प्रस्तावित चौड़ाई को लेकर कोई संदेह न रहे,अंतिम नाप के माध्यम से वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने और लोगों की शंकाओं का समाधान करने की कोशिश की जाएगी,इससे यह भी स्पष्ट हो सकेगा कि परियोजना के दायरे में किसकी कितनी भूमि या संपत्ति प्रभावित हो रही है।

निविदा प्रक्रिया जारी,दीपावली के बाद फिर होगी बैठक-प्रशासन की ओर से बताया गया है कि सड़क चौड़ीकरण की निविदा प्रक्रिया जारी है,वहीं प्रभावित परिवारों,व्यापारी संघों और प्रशासन के बीच दीपावली के बाद फिर बैठक आयोजित करने पर सहमति बनी है, अगली बैठक में शेष आपत्तियों और सुझावों पर चर्चा कर आगे का रास्ता निकालने की कोशिश होगी,अब इस बैठक पर सभी की नजरें टिकी हैं, क्या 9 मीटर चौड़ीकरण को लेकर अंतिम सहमति बन पाएगी? क्या 7 मीटर की मांग करने वाले प्रभावित लोगों की शंकाओं का समाधान होगा? क्या शहरवासियों की 11 मीटर चौड़ीकरण की मांग पर तकनीकी स्तर पर विचार किया जाएगा? और क्या अंतिम नाप के बाद परियोजना को निर्माण की दिशा में आगे बढ़ाया जा सकेगा? इन सवालों के जवाब ही तय करेंगे कि बैकुंठपुर की यह बहुप्रतीक्षित सड़क परियोजना अब कितनी तेजी से आगे बढ़ेगी।

विकास की जरूरत और प्रभावितों के हित में संतुलन जरूरी-बैकुंठपुर जिला मुख्यालय होने के कारण आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंचते हैं, सरकारी कार्यालय,अस्पताल,बाजार और अन्य जरूरी संस्थानों तक आवागमन के लिए शहर की सड़कें महत्वपूर्ण हैं,बढ़ते वाहनों और यातायात की जरूरतों को देखते हुए सड़क चौड़ीकरण की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही है,लेकिन विकास का अर्थ प्रभावित परिवारों की समस्याओं की अनदेखी करना भी नहीं है,जिनकी जमीन या संपत्ति प्रभावित हो रही है,उन्हें नियमानुसार मुआवजा और भूमि संबंधी मामलों में स्पष्टता मिलनी चाहिए,दूसरी ओर, कुछ लोगों की आपत्तियों के कारण पूरे शहर की जरूरत से जुड़ी परियोजना अनिश्चितकाल तक लंबित भी नहीं रहनी चाहिए,इसलिए प्रशासन को ऐसा निर्णय लेना होगा जो तकनीकी रूप से उचित हो,प्रभावित लोगों के हितों की रक्षा करे और भविष्य की यातायात जरूरतों को भी ध्यान में रखे,7, 9 और 11 मीटर की मांगों के बीच अंतिम चौड़ाई का निर्धारण भावनाओं या व्यक्तिगत आग्रह के बजाय स्वीकृत परियोजना,तकनीकी आकलन और सार्वजनिक हित के आधार पर होना चाहिए,बैकुंठपुर की सड़क चौड़ीकरण परियोजना अब केवल सड़क की चौड़ाई का विवाद नहीं रह गई है,यह शहर के भविष्य, प्रभावित परिवारों के अधिकार,मुआवजे की पारदर्शिता और प्रशासनिक निर्णय क्षमता से जुड़ा विषय बन चुका है,82 प्रभावित लोगों की मुआवजा प्रक्रिया,नजूल भूमि का नवीनीकरण और अंतिम नाप जैसे कदम आगे बढ़ने की उम्मीद जरूर जगाते हैं,लेकिन शहर को अब केवल बैठकों और आश्वासनों की नहीं, बल्कि स्पष्ट समयसीमा और धरातल पर काम शुरू होने की प्रतीक्षा है। सवाल अब भी वही है— बैकुंठपुर की सड़क आखिर 7,9 या 11 मीटर की होगी और इसका अंतिम फैसला कब होगा?

सरगुजा-11 ने बलसेड़ी को 1-0 से हराकर जीता संभाग स्तरीय फुटबॉल खिताब

विजेता को 51 हजार और उपविजेता को 31 हजार रुपए की राशि

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 नवम्बर 2026
(घटती-घटना)।

शहर के गांधी स्टेडियम में आयोजित संभाग स्तरीय नॉकआउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता 2026 का फाइनल मुकाबला सरगुजा इलेवन और बलसेड़ी के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में सरगुजा इलेवन ने 1-0 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। मैच के पहले हाफ में दोनों टीमों ने बेहतर तालमेल के साथ गोल करने के प्रयास किए। इसी दौरान सरगुजा इलेवन ने एक गोल कर 1-0 की बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में बलसेड़ी ने बराबरी के लिए कई प्रयास किए, लेकिन दोनों में से कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। अंततः सरगुजा इलेवन ने मुकाबला जीत लिया। प्रतियोगिता की विजेता सरगुजा



इलेवन को 51 हजार रुपए और उपविजेता बलसेड़ी को 31 हजार रुपए की पुरस्कार राशि के साथ ट्रॉफी प्रदान की गई। स्व. जगन्नाथ दुबे की स्मृति में उनके पुत्र जगदीश प्रसाद दुबे ने स्मृति चिह्न और कप प्रदान किए। व्यक्तिगत पुरस्कारों में मैन ऑफ द मैच सरगुजा इलेवन के नील भूषण,बेस्ट गोलकीपर नाइस क्लब बलसेड़ी के चंद्र, बेस्ट स्कोरर सरगुजा इलेवन के उचित मरकाम,बेस्ट मिडफील्डर नाइस क्लब बलसेड़ी के रमेश और मैन ऑफ द सीरीज का खिताब सरगुजा इलेवन के कृष को दिया गया। बेस्ट ग्रामीण टीम का पुरस्कार फुटबॉल क्लब धरमपुर और फुटबॉल क्लब कोटिया को प्रदान किया गया।

फाइनल के मुख्य अतिथि सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज थे। विशिष्ट अतिथि सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो और अंबिकापुर महापौर मंजूषा भगत रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता लुंड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने की। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया,पूर्व जिलाध्यक्ष ललन प्रसाद सिंह,जितेंद्र सोनी,विकास पांडेय सहित फुटबॉल संघ के पदाधिकारी और अन्य अतिथि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय एकता परेड का लाइव प्रसारण देख सरगुजा पुलिस ने लिया एकता-अखंडता का संकल्प

डीआईजी एवं एसएसपी राजेश अग्रवाल की मौजूदगी में रक्षित केंद्र अम्बिकापुर में हुआ आयोजन,पुलिस अधिकारियों और जवानों ने ली राष्ट्रीय एकता की शपथ

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 नवम्बर 2026
(घटती-घटना)।

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर गुजरात के एकतानगर (केवड़िया) में आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह की गूंज सरगुजा पुलिस के बीच भी सुनाई दी। रक्षित केंद्र अम्बिकापुर में डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल (भा.पु.से.) की उपस्थिति में पुलिस अधिकारियों,कर्मचारियों और जवानों ने राष्ट्रीय एकता परेड का लाइव प्रसारण देखा। इस दौरान पुलिस बल ने देश की आंतरिक सुरक्षा, संप्रभुता और अखंडता की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। गुजरात में आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस के भव्य समारोह का ऑनलाइन प्रसारण रक्षित केंद्र में सामूहिक रूप से देखा गया। परेड में विभिन्न सुरक्षा बलों और पुलिस टुकड़ियों के अनुशासन, शौर्य और देशभक्ति के प्रदर्शन को देखकर उपस्थित जवानों ने राष्ट्रीय गौरव का अनुभव किया। लाइव प्रसारण के बाद डीआईजी एवं एसएसपी राजेश अग्रवाल ने पुलिस अधिकारियों और जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रत्येक जवान को अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए देश की संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा के प्रति सदैव सजग एवं तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि विविधता में एकता ही भारत की वास्तविक ताकत है।



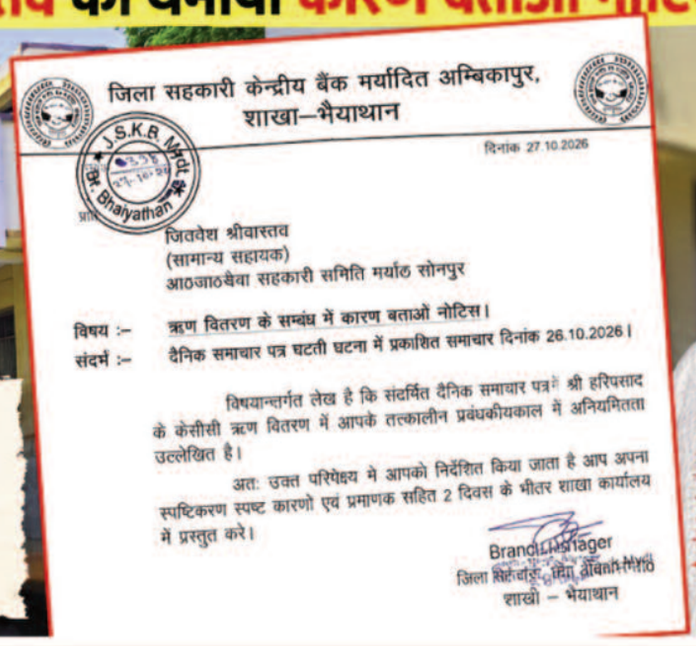
लंबे इंतजार के बाद जागा सहकारिता विभाग!

घटती घटना की खबर पर बैंक ने जितवेश श्रीवास्तव को थमाया कारण बताओ नोटिस





- क्या कार्रवांई सिर्फ एक कर्मचारी तक सीमित रहेगी ?
- अन्य जिम्मेदारों पर कब होगी कार्रवांई ?
- क्या बकाया रकम जमा कर मामला दबाने का प्रयास ?
- सहकारिता का रहस्य कब होगा उजागर ?


जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित अम्बिकापुर,
शाखा–भैयाथान

दिनांक 27.10.2026

जितवेश श्रीवास्तव
(सामान्य सहायक)
आठजाठचैवा सहकारी समिति मर्याठ सोनपुर

विषय :– ऋण वितरण के सम्बंध में कारण बताओं नोटिस।
संदर्भ :– दैनिक समाचार पत्र घटती घटना में प्रकाशित समाचार दिनांक 26.10.2026।

विषयान्तर्गत लेख है कि संदर्भित दैनिक समाचार पत्र में श्री हरिपसाद के केसीसी ऋण वितरण में आपके तत्कालीन प्रबंधकीयकाल में अनियमितता उल्लेखित है।

अतः उक्त परिपेक्ष्य मे आपको निर्देशित किया जाता है आप अपना स्पष्टिकरण स्पष्ट कारणो एवं प्रमाणक सहित 2 दिवस के भीतर शाखा कार्यालय में प्रस्तुत करे।

Branch Manager
जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. अम्बिकापुर
शाखा – भैयाथान



घटती-घटना की खबर से हिला सहकारिता महकमा! मृत किसान के केसीसी ऋण मामले में जितवेश को नोटिस...अब बाकी जिम्मेदारों पर कार्रवाई कब?

आखिर खुली सहकारिता विभाग की नींद! घटती-घटना की खबर पर बैंक ने जितवेश श्रीवास्तव को थमाया नोटिस

अब सवाल–क्या केवल एक कर्मचारी को नोटिस देकर होगी खानापूर्ति या ऋण स्वीकृति से लेकर रकम निकासी और कथित फर्जी हस्ताक्षर तक पूरे मामले की होगी निष्पक्ष जांच?

- ओंकार पाण्डेय-

भैयाथान/सूरजपुर,01 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

मृत किसान के नाम पर केसीसी ऋण स्वीकृत होने, खाते से लाखों रुपये के आहरण,शिकायत के बाद रकम जमा होने और फिर शिकायत वापसी के लिए कथित फर्जी हस्ताक्षर किए जाने जैसे गंभीर आरोपों से घिरे सोनपुर सहकारी समिति के मामले में आखिरकार लंबे इंतजार के बाद सहकारिता विभाग और बैंक प्रबंधन की नींद खुलती दिखाई दे रही है,लगातार खबरों के प्रकाशन और सवाल उठाए जाने के बाद जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, अंबिकापुर की शाखा भैयाथान ने तत्कालीन समिति प्रबंधकीय कार्यकाल से जुड़े जितवेश श्रीवास्तव,सामान्य सहायक,आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित सोनपुर को ऋण वितरण के संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी किया है,खास बात यह है कि बैंक ने अपने नोटिस में 26 अक्टूबर 2026 को दैनिक घटती-घटना में प्रकाशित समाचार का स्पष्ट उल्लेख करते हुए उस पर संज्ञान लिया है।

बैंक द्वारा 27 अक्टूबर 2026 को जारी नोटिस में संबंधित कर्मचारी से ऋण वितरण में कथित अनियमितता के संबंध में स्पष्ट कारण और प्रमाण सहित दो दिनों के भीतर शाखा कार्यालय में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने को कहा गया है,नोटिस की प्रतिलिपि उपायुक्त एवं उप पंजीयक, सहकारी संस्थाएं,जिला सूरजपुर को भी भेजी गई है,यानी समाचार प्रकाशन के अगले ही दिन बैंक की ओर से जवाब तलब करने की कार्रवाई सामने आई है,यह कार्रवाई इस बात का संकेत है कि मामला अब केवल एक शिकायतकर्ता की आवाज या समाचार-पत्र में उठाए गए सवालों तक सीमित नहीं रह गया है,बैंक ने प्रकाशित खबर का संज्ञान लेकर संबंधित कर्मचारी से जवाब मांगना जरूरी समझा है, लेकिन सवाल यह है कि क्या दो दिनों में मांगा गया स्पष्टीकरण ही इस गंभीर प्रकरण का अंत होगा,या इसके बाद उन तमाम लोगों की भूमिका भी जांच के दायरे में आएगी, जिनके कार्यकाल, हस्ताक्षर, अनुमोदन और बैंकिंग प्रक्रिया से यह पूरा मामला जुड़ा हुआ है?

खबरें प्रकाशित होती रहीं,कार्रवाई का इंतजार लंबा होता गया...

सोनपुर सहकारी समिति का यह मामला कोई सामान्य ऋण विवाद नहीं है,शिकायतकर्ता देवी प्रसाद का आरोप है कि उनके पिता हरिप्रसाद की मृत्यु 10 मई 2021 को हो चुकी थी, इसके बावजूद उनके नाम पर 1 जून 2021 को 75 हजार रुपये और 11 जून 2021 को 54 हजार रुपये का केसीसी ऋण स्वीकृत किया गया,कुल 1 लाख 29 हजार रुपये के ऋण वितरण पर सवाल उठाए गए हैं, शिकायतकर्ता ने मृत्यु के बाद बैंक खाते से रकम निकाले जाने का भी विवरण दिया है,उनके अनुसार 25 मई 2021 को 17 हजार रुपये,3 जून को 49 हजार रुपये, 4 जून को 26 हजार रुपये,17 जून को 49 हजार रुपये, 21 जून को 5 हजार रुपये और 23 अगस्त 2021 को 18 हजार 500 रुपये खाते से निकाले गए,यदि शिकायत में दिए गए ये विवरण बैंक रिकॉर्ड से प्रमाणित होते हैं,तो यह केवल ऋण स्वीकृति का मामला नहीं रहेगा,बल्कि मृत खाताधारक के खाते से हुए लेन-देन की पूरी प्रक्रिया की जांच आवश्यक होगी,वर्ष 2024 में शिकायतकर्ता को 1 लाख 72 हजार 860 रुपये बकाया होने का नोटिस मिला, इसके बाद उन्होंने 22 जुलाई 2024 को जनदर्शन में शिकायत की,शिकायतकर्ता का आरोप है कि शिकायत के बाद 26 जुलाई 2024 को 1 लाख 29 हजार रुपये जमा कराए गए, इसके बाद भी अक्टूबर 2026 में समिति की ओर से 64 हजार 512 रुपये बकाया होने का नोटिस जारी किया गया, शिकायतकर्ता ने दोबारा आपत्ति जताई और अक्टूबर 2026 में शिकायत की,उनका आरोप है कि 17 अक्टूबर 2026 को 69 हजार 175 रुपये उनके नाम से जमा दर्शाए गए,जबकि उन्होंने इस जमा प्रक्रिया के लिए अपनी सहमति या जानकारी दिए जाने से इनकार किया है, इतना ही नहीं, 21 अक्टूबर 2026 को शिकायत वापस लेने संबंधी पत्र उच्च कार्यालय को भेजे जाने और उस पर उनके कथित फर्जी हस्ताक्षर होने का आरोप भी लगाया गया है,शिकायतकर्ता ने जमा पर्ची,शिकायत वापसी पत्र और पूर्व में किए गए हस्ताक्षरों में अंतर होने का दावा किया है,इन आरोपों की पुष्टि या खंडन केवल दस्तावेजों के मिलान, मूल रिकॉर्ड की जांच और आवश्यकता पड़ने पर हस्तलेखन विशेषज्ञ की राय से ही हो सकता है।

क्या एक कर्मचारी को नोटिस देकर पूरे मामले पर पर्दा डाल दिया जाएगा?

बैंक ने जितवेश श्रीवास्तव को नोटिस जारी कर दिया है, लेकिन इस प्रकरण में कई ऐसे सवाल हैं जिनका जवाब केवल एक कर्मचारी के स्पष्टीकरण से मिलना पर्याप्त नहीं होगा। यदि मृत किसान के नाम पर केसीसी ऋण स्वीकृत हुआ,तो ऋण प्रस्ताव किसने तैयार किया? किसने उसका सत्यापन किया? किस अधिकारी या कर्मचारी ने ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया पूरी की? खाते से रकम निकालने के लिए कौन-कौन से दस्तावेज लगाए गए? निकासी के समय खाताधारक की मृत्यु की जानकारी संबंधित संस्था या बैंक को थी या नहीं? और यदि जानकारी थी तो लेन-देन कैसे हुआ? इसी तरह शिकायत के बाद 1 लाख 29 हजार रुपये जमा कराने और फिर 69 हजार 175 रुपये जमा होने के पीछे क्या परिस्थितियां थीं? इन जमा राशियों का स्रोत क्या था? किसने जमा किया? जमा पर्चियों पर किसके हस्ताक्षर हैं? शिकायतकर्ता की कथित सहमति के बिना शिकायत वापसी का पत्र कैसे तैयार हुआ और किस आधार पर उसे उच्च कार्यालय भेजा गया? ये सवाल केवल जितवेश श्रीवास्तव तक सीमित नहीं हैं। ऋण स्वीकृति,सत्यापन,भुगतान,खाते से आहरण और बाद में रकम जमा कराने की पूरी प्रक्रिया में जिन अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका रही, उनकी जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए,यदि जांच केवल एक व्यक्ति से स्पष्टीकरण मांगकर समाप्त कर दी जाती है,तो वास्तविक जिम्मेदारी तय करने का उद्देश्य अधूरा रह जाएगा।

शिकायत के बाद भी वैधानिक कार्रवाई क्यों नहीं?

शिकायतकर्ता का कहना है कि 14 अक्टूबर 2026 की शिकायत के बाद आज तक मामले में कोई ठोस वैधानिक कार्रवाई नहीं हुई,उनका आरोप है कि संबंधित खाते में बकाया राशि जमा कराकर पूरे मामले को दबाने का प्रयास किया गया,यह आरोप भी जांच का विषय है, आखिर शिकायत सामने आने के बाद प्राथमिकता तथ्यों की जांच और जिम्मेदारी तय करने की होनी चाहिए थी या बकाया रकम जमा कराकर विवाद को समाप्त मान लेने की? किसी भी वित्तीय अनियमितता की जांच का उद्देश्य केवल खाते में बकाया राशि की पूर्ति कराना नहीं होता, यदि मृत व्यक्ति के नाम पर ऋण स्वीकृत करने, खाते से अनधिकृत आहरण करने या किसी दस्तावेज पर कथित फर्जी हस्ताक्षर करने की बात सामने आती है, तो रकम जमा हो जाने मात्र से उन सवालों का जवाब नहीं मिल जाता,यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि कथित अनियमितता किसने की, किसके निर्देश पर हुई और संबंधित प्रक्रिया में किस स्तर पर लापरवाही या मिलीभगत रही,शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए दबाव और प्रताड़ना के आरोपों की भी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, उनका दावा है कि उन्हें इतना परेशान किया गया कि घर छोड़कर जाना पड़ा,यदि यह आरोप सही पाए जाते हैं,तो यह वित्तीय अनियमितता के साथ शिकायतकर्ता को दबाव में लेने का भी गंभीर मामला होगा।

मृत किसान के केसीसी ऋण का मामला गरमाया: खबर के बाद बैंक हरकत में, जितवेश श्रीवास्तव से दो दिन में जवाब तलब

खबरों का असर : मृत किसान के नाम पर ऋण मामले में बैंक की कार्रवाई, अब स्पष्टीकरण के घेरे में जितवेश श्रीवास्तव

क्या एक नोटिस से दब जाएगा मृत किसान के KCC ऋण का रहस्य? पूरे मामले की जांच और अन्य जिम्मेदारों पर कार्रवाई का इंतजार...

मृत किसान के नाम पर फण,खाते से निकासी और हस्ताक्षरों पर सवाल! खबर के बाद बैंक ने जारी किया कारण बताओ नोटिस...

सहकारिता में कथित घोटाले पर आखिर जागा बैंक! जितवेश को नोटिस,अब बाकी जिम्मेदारों की बारी कब?

पहले शिकायतों पर खामोशी,अब खबर छपते ही नोटिस! क्या सहकारिता विभाग करेगा पूरे खेल का पर्दाफाश?



अब असली परीक्षा बैंक और सहकारिता विभाग की

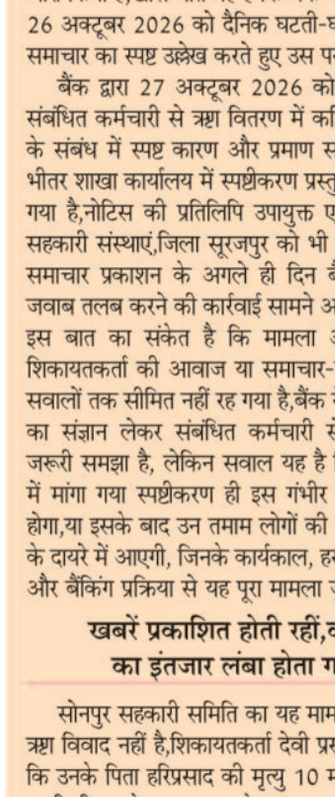
दैनिक घटती-घटना में लगातार खबरें प्रकाशित होने के बाद बैंक द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस निश्चित रूप से इस प्रकरण का महत्वपूर्ण घटनाक्रम है,लेकिन इसे अंतिम कार्रवाई मान लेना जल्दबाजी होगी,नोटिस जारी होना आरोपों की पुष्टि नहीं है और न ही इससे किसी की दोषसिद्धि होती है,अब यह देखना होगा कि संबंधित कर्मचारी अपने स्पष्टीकरण में क्या तथ्य और दस्तावेज प्रस्तुत करते हैं तथा बैंक उन दस्तावेजों की स्वतंत्र रूप से जांच करता है या नहीं, साथ ही जिला सहकारी केंद्रीय बैंक और सहकारिता विभाग को यह भी स्पष्ट करना होगा कि क्या ऋण स्वीकृति और खाते से आहरण की पूरी प्रक्रिया की जांच होगी? क्या संबंधित समय के बैंक स्टेटमेंट,ऋण आवेदन,स्वीकृति पत्र,भुगतान वाउचर और जमा पर्चियों का मूल रिकॉर्ड सुरक्षित कर जांचा जाएगा? क्या शिकायत वापसी पत्र पर किए गए हस्ताक्षरों का परीक्षण कराया जाएगा? क्या ऋण वितरण और बाद के लेन-देन में शामिल अन्य अधिकारियों-कर्मचारियों से भी जवाब मांगा जाएगा? और क्या शिकायतकर्ता के आरोपों पर समयबद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी? लंबे इंतजार के बाद विभाग ने नोटिस जारी कर अपनी सक्रियता तो दिखाई है,लेकिन अब केवल कागजी कार्रवाई से काम नहीं चलेगा,इस प्रकरण में जरूरत है निष्पक्ष जांच,दस्तावेजों के सत्यापन और जिम्मेदार लोगों पर नियमानुसार कार्रवाई की,कहीं ऐसा न हो कि पहले स्पष्टीकरण, फिर औपचारिक जांच और अंत में फाइल बंद–यही पूरी कार्रवाई बनकर रह जाए,अब देखना यह है कि सहकारिता विभाग मृत किसान के नाम पर हुए कथित ऋण वितरण और बैंक खाते से आहरण के रहस्य को उजागर करता है,या फिर एक नोटिस जारी कर पूरे मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है,किसानों के विश्वास और सहकारिता व्यवस्था की विश्वसनीयता के लिए इस मामले का सच सामने आना जरूरी है।

कई खबरों के प्रकाशन के बाद हरकत में आया जिला सहकारी केंद्रीय बैंक,26 अक्टूबर की खबर का लिया संज्ञान

सहकारिता में भ्रष्टाचार का सच कब आएगा सामने?

सहकारी संस्थाओं का उद्देश्य किसानों को राहत देना,कृषि ऋण उपलब्ध कराना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है,लेकिन जब इन्हीं संस्थाओं में मृत किसान के नाम पर ऋण स्वीकृति,खाते से रकम निकासी और शिकायत वापसी के लिए कथित फर्जी हस्ताक्षर जैसे आरोप सामने आते हैं,तो पूरे सहकारिता तंत्र की पारदर्शिता पर सवाल खड़े होना स्वाभाविक है,क्या सहकारिता विभाग में किसी भी गंभीर शिकायत पर कार्रवाई के लिए पहले लगातार समाचार प्रकाशित होना जरूरी है? क्या शिकायतकर्ता को बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने और अपनी बात साबित करने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा? क्या प्रभाव और पहुंच के दम पर वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों को लंबे समय तक दबाया जा सकता है? और क्या शिकायत के बाद रकम जमा करा देना ही ऐसे मामलों में जवाबदेही से बचने का रास्ता बन जाएगा? ये सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि सहकारिता संस्थाओं का कामकाज किसानों के विश्वास पर टिका होता है, यदि किसी किसान की मृत्यु के बाद उसके नाम पर ऋण स्वीकृत होने के आरोपों की निष्पक्ष जांच नहीं होती, तो इसका संदेश केवल एक समिति तक सीमित नहीं रहेगा।

35 साल पुरानी पानी टंकी बनी खतरे का संकेत,हादसे के इंतजार में पीएचई विभाग?



जनपद पंचायत,मनरेगा कार्यालय और आदिम जाति सहकारी समिति के बैंक के बीच स्थित टंकी, रोजाना पहुंचते हैं सैकड़ों ग्रामीण, तकनीकी सुरक्षा जांच की जरूरत...

-राजेन्द्र शर्मा-

एमसीबी/खड़गवां,01 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

मुख्यालय में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) की नल-जल योजना के तहत मध्यप्रदेश शासन के समय निर्मित लगभग 35 साल पुरानी पानी टंकी अब सुरक्षा को लेकर चिंता का विषय बनती जा रही है,लंबे समय से उपयोग में रही इस टंकी की वर्तमान स्थिति और संरचनात्मक मजबूती को लेकर तकनीकी जांच की आवश्यकता महसूस की जा रही है,यदि समय रहते इसकी स्थिति का परीक्षण नहीं कराया गया तो भविष्य में किसी गंभीर दुर्घटना की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता, सबसे चिंताजनक बात यह है कि यह टंकी किसी सुनसान स्थान पर नहीं,बल्कि खड़गवां मुख्यालय के ऐसे हिस्से में स्थित है,जहां जनपद पंचायत कार्यालय,मनरेगा कार्यालय,ग्रामीण यांत्रिकी विभाग और आदिम जाति सहकारी समिति का बैंक सहित कई महत्वपूर्ण सरकारी कार्यालय संचालित हैं,इन कार्यालयों में प्रतिदिन सैकड़ों ग्रामीण अपने शासकीय कार्यों के सिलसिले में पहुंचते हैं,ऐसे में टंकी की सुरक्षा का सवाल सीधे आम नागरिकों की जान-माल की सुरक्षा से जुड़ जाता है।

35 साल पुरानी संरचना की जांच जरूरी

करीब साढ़े तीन दशक पुरानी पानी टंकी की वर्तमान स्थिति का तकनीकी मूल्यांकन कराया जाना आवश्यक है,समय के साथ कंक्रीट का क्षरण, सरिया में जंग,दरारें और अन्य संरचनात्मक कमजोरियां पैदा हो सकती हैं,हालांकि,टंकी की वास्तविक स्थिति तकनीकी परीक्षण के बाद ही स्पष्ट होगी,इसलिए विशेषज्ञों से इसकी मजबूती और सुरक्षा की जांच कराना जरूरी है,सवाल यह भी है कि निर्माण के बाद से अब तक टंकी की मरम्मत और रखरखाव कब-कब कराया गया? क्या नियमित रूप से इसका निरीक्षण हुआ है? यदि तकनीकी परीक्षण कराया गया है तो उसकी रिपोर्ट क्या है? पीएचई विभाग को इन सवालों पर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

सरकारी कार्यालयों के बीच संभावित खतरा

टंकी के आसपास सरकारी कार्यालय होने के कारण यहां ग्रामीणों की लगातार आवाजाही बनी रहती है,जनपद पंचायत और मनरेगा कार्यालय में पंचायत संबंधी कार्यों के लिए लोग पहुंचते हैं, वहीं सहकारी समिति के बैंक और अन्य कार्यालयों में भी प्रतिदिन लोगों की उपस्थिति रहती है,ऐसे स्थान पर स्थित पुरानी पानी टंकी की सुरक्षा को लेकर किसी भी तरह की अनदेखी गंभीर साबित हो सकती है,यदि संरचना में कोई कमजोरी है तो उसका समय रहते पता लगाना और आवश्यक सुरक्षा उपाय करना विभाग की जिम्मेदारी है, तकनीकी जांच पूरी होने तक जरूरत के अनुसार टंकी के आसपास सुरक्षा घेरा बनाने जैसे कदम भी उठाए जा सकते हैं।

क्या हादसे के बाद जागेगा विभाग?

अब सबसे बड़ा सवाल पीएचई विभाग की जिम्मेदारी को लेकर है। क्या विभाग ने हाल के वर्षों में इस टंकी का तकनीकी निरीक्षण कराया है? यदि टंकी सुरक्षित है तो उसकी जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जानी चाहिए,वहीं,यदि जांच में कोई कमजोरी सामने आती है तो तत्काल मरम्मत,मजबूतीकरण अथवा आवश्यकतानुसार टंकी को निष्क्रिय करने की कार्रवाई होनी चाहिए,खड़गवां मुख्यालय में रोजाना पहुंचने वाले ग्रामीणों की सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन और संबंधित विभाग को मौके का निरीक्षण कराना चाहिए,आखिर किसी सार्वजनिक संरचना की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हादसे का इंतजार क्यों किया जाए? 35 साल पुरानी पानी टंकी की तकनीकी जांच कराकर पीएचई विभाग को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए,ताकि सरकारी कार्यालयों में आने वाले ग्रामीणों की सुरक्षा को लेकर बनी आशंका दूर हो सके।

CMYK

प्रेस एंड मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन की अहम बैठक सम्पन्न,

संगठन विस्तार से लेकर पत्रकारों के अधिकारों तक बनी रणनीति

कोरिया जिले की नवीन कार्यकारिणी के गठन और ब्लॉक स्तर पर संगठन मजबूत करने पर बनी सहमति, अधिमान्यता एवं विज्ञापन वितरण की विसंगतियों को लेकर रायपुर में सौंपा जाएगा ज्ञापन





- राजन पाण्डेय-

बैकुंठपुर (कोरिया),01 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

पत्रकारों के अधिकारों,सुरक्षा,सम्मान और कल्याण के लिए कार्यरत प्रेस एंड मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन की एक महत्वपूर्ण बैठक बैकुंठपुर स्थित विश्राम गृह में संगठन के संस्थापक मनोज पाण्डेय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई,बैठक में कोरिया जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भाग लिया,इस अवसर पर प्रदेश पदाधिकारी राजेन्द्र गुप्ता एवं संदीप की विशेष उपस्थिति रही,बैठक में संगठन की वर्तमान गतिविधियों की समीक्षा करने के साथ ही आगामी कार्ययोजना, जिले में संगठन के विस्तार तथा पत्रकारों के समक्ष आने वाली विभिन्न समस्याओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

जिले में संगठन विस्तार और नवीन कार्यकारिणी के गठन पर जोर

बैठक का प्रमुख उद्देश्य कोरिया जिले में संगठनात्मक ढांचे को और अधिक मजबूत करना तथा नवीन जिला कार्यकारिणी का गठन करना रहा,इस दौरान उपस्थित पदाधिकारियों ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि किसी भी संगठन की वास्तविक ताकत उसकी जमीनी सक्रियता और सदस्यों के बीच आपसी समन्वय से निर्धारित होती है, इसी उद्देश्य से जिले के सभी ब्लॉकों में संगठन का विस्तार करने तथा सक्रिय एवं समर्पित पत्रकारों को संगठन से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया,बैठक में इस बात पर सहमति बनी कि संगठन को केवल जिला मुख्यालय तक सीमित न रखते हुए ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में कार्यरत पत्रकारों तक भी पहुंचाया जाए,ब्लॉक स्तर पर पदाधिकारियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर पत्रकारों की स्थानीय समस्याओं को संगठित तरीके से जिला एवं प्रदेश स्तर तक पहुंचाने की दिशा में कार्य किया जाएगा,नवीन कार्यकारिणी के गठन के माध्यम से संगठन को नई ऊर्जा और कार्यगत गति प्रदान करने पर भी मंथन हुआ।

पत्रकारों की अधिमान्यता और विज्ञापन वितरण का मुद्दा उठा

बैठक के दौरान पत्रकारों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर गंभीरता से चर्चा की गई। विशेष रूप से पत्रकारों की अधिमान्यता (एक्रिडिटेशन) की प्रक्रिया,उसके नियमों एवं पात्रता से जुड़ी व्यावहारिक कठिनाइयों तथा जनसंपर्क विभाग के माध्यम से समाचार-पत्रों और पत्रकारों को मिलने वाले विज्ञापनों के वितरण में पारदर्शिता का विषय प्रमुखता से सामने आया,पदाधिकारियों ने कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में लंबे समय से कार्य कर रहे अनेक पत्रकारों को विभिन्न प्रक्रियागत समस्याओं का सामना करना पड़ता है,वहीं विज्ञापन वितरण की व्यवस्था भी ऐसी होनी चाहिए, जिसमें पात्रता, पारदर्शिता और समान अवसर के सिद्धांतों का पालन हो,पत्रकारों के हितों से जुड़े इन विषयों को संबंधित विभागों एवं शासन के समक्ष मजबूती से रखने की आवश्यकता पर सहमति जताई गई,बैठक में निर्णय लिया गया कि इन मुद्दों को लेकर संगठन आगामी दिनों में क्रमबद्ध तरीके से पहल करेगा, ताकि पत्रकारों की समस्याओं का सकारात्मक समाधान निकल सके।

संस्थापक मनोज पाण्डेय ने कहा...पत्रकारों के अधिकारों और सुरक्षा के लिए संगठन प्रतिबद्ध

बैठक की अध्यक्षता कर रहे संगठन के संस्थापक मनोज पाण्डेय ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि प्रेस एंड मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन की स्थापना का मूल उद्देश्य पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा,उनकी सुरक्षा,सम्मान और कल्याण के लिए एक मजबूत मंच तैयार करना है,पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्यरत साथियों की समस्याओं को संगठित रूप से उठाना और उनके समाधान के लिए शासन-प्रशासन तक प्रभावी पहल करना संगठन की प्राथमिकता है, उन्होंने कहा कि पत्रकारिता केवल समाचार संकलन और प्रकाशन तक सीमित नहीं है,बल्कि यह समाज के प्रति एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी है। इस जिम्मेदारी का निर्वहन करने वाले पत्रकारों को भी सम्मानजनक कार्य वातावरण, सुरक्षा और उनके अधिकारों का संरक्षण मिलना चाहिए,उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों से आह्वान किया कि आपसी मतभेदों से ऊपर उठकर संगठन की मजबूती के लिए काम करें,उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठन पत्रकारों के हक और सम्मान की लड़ाई को पूरी मजबूती के साथ आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

एकजुटता के संकल्प के साथ बैठक का समापन

बैठक के अंतिम चरण में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने संगठन को जिले में अधिक सक्रिय और प्रभावशाली बनाने का संकल्प लिया,साथ ही ब्लॉक स्तर पर संगठन का विस्तार करने,नवीन कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने तथा पत्रकारों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर प्रदेश स्तर पर सामूहिक पहल करने पर सहमति बनी, बैठक में यह संदेश उभरकर सामने आया कि पत्रकारों के अधिकारों,सुरक्षा,सम्मान और कल्याण से जुड़े विषयों पर प्रभावी पहल के लिए संगठनात्मक एकजुटता सबसे बड़ी ताकत है,इसी भावना के साथ प्रेस एंड मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन ने आगामी दिनों में संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने और पत्रकार हितों से जुड़े मुद्दों को संबंधित मंचों पर प्रमुखता से उठाने की दिशा में आगे बढ़ने का संकल्प लिया,प्रेस एंड मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय संस्थापक मनोज पाण्डेय प्रदेश उपाध्यक्ष राजन पाण्डेय प्रदेश पदाधिकारी राजेन्द्र गुप्ता जिला अध्यक्ष एस के रूप ऐसानुल हक अंसारी जिला प्रभारी,प्रदीप पाटकर अजय गुप्ता जिला उपाध्यक्ष आदित्य गुप्ता,जिला महासचिव,रजा अली अंसारी जी अधिवक्ता डिस्ट्रिक्ट कोर्ट),संजय साहू अधिवक्ता जयचंद्र सोनपाकर अधिवक्ता सतीश पटेल ब्लाक प्रभारी नीलेश सोनी ब्लॉक सचिव प्रेम सागर तिवारी,अनिल दुबे,बालकरण सोनपाकर,पुष्पेंद्र राजवाड़े,शाहबाज,संदीप सन्तोष सहित कई पत्रकार उपस्थित रहे।

रायपुर में ज्ञापन सौंपने की तैयारी,सदस्यों को सौंपी जाएंगी जिम्मेदारियां

बैठक में संगठन की आगामी गतिविधियों के अंतर्गत राजधानी रायपुर में प्रस्तावित ज्ञापन कार्यक्रम को लेकर भी विस्तृत चर्चा हुई,पत्रकारों की अधिमान्यता,विज्ञापन वितरण में पारदर्शिता तथा अन्य महत्वपूर्ण मांगों को शामिल करते हुए संबंधित विभागों एवं शासन का ध्यान आकृष्ट कराने की कार्ययोजना तैयार की गई,इस कार्यक्रम को प्रभावी एवं सफल बनाने के लिए संगठन के पदाधिकारियों और सदस्यों के बीच आपसी समन्वय स्थापित करने तथा आवश्यक जिम्मेदारियां निर्धारित करने पर चर्चा हुई,पदाधिकारियों ने कहा कि पत्रकारों की समस्याओं को लेकर केवल बैठकों तक सीमित रहने के बजाय संगठित और लोकतांत्रिक तरीके से संबंधित अधिकारियों तक अपनी बात पहुंचाना जरूरी है, रायपुर में प्रस्तावित ज्ञापन कार्यक्रम इसी दिशा में संगठन का एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

जिलाध्यक्ष सम्वर्त कुमार रूप ने पत्रकारों से एकजुटता की अपील की

बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष सम्वर्त कुमार रूप ने कहा कि वर्तमान समय में पत्रकारों के सामने अनेक प्रकार की चुनौतियां हैं। ऐसे में पत्रकारों के बीच एकजुटता और आपसी सहयोग बेहद जरूरी है, उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती तभी संभव है,जब प्रत्येक सदस्य अपनी जिम्मेदारी समझते हुए सक्रिय भूमिका निभाए, उन्होंने स्थानीय स्तर पर अधिक से अधिक पत्रकारों को संगठन से जोड़ने तथा संगठन की नीतियों एवं उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

प्रदेश उपाध्यक्ष राजन पाण्डेय ने प्रदेश स्तर पर चल रहे प्रयासों की दी जानकारी

इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष राजन पाण्डेय ने अपने संबोधन में पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए प्रदेश स्तर पर संगठन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी,उन्होंने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं और समाज की समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है,इसके बावजूद अनेक पत्रकारों को अपने कार्यक्षेत्र में विभिन्न प्रकार की समस्याओं और चुनौतियों का सामना करना पड़ता है,उन्होंने कहा कि पत्रकारों की अधिमान्यता,विज्ञापन संबंधी विसंगतियों, सुरक्षा,सम्मान और कल्याण जैसे विषयों पर संगठन को मजबूती के साथ अपनी आवाज उठानी होगी,इसके लिए आवश्यक है कि जिला और ब्लॉक स्तर के सभी पदाधिकारी एकजुट होकर कार्य करें,उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य किसी एक व्यक्ति विशेष का नहीं,बल्कि पत्रकारिता से जुड़े प्रत्येक साथी के अधिकारों और हितों की रक्षा करना है।

परमिट की होड़ में यात्रियों की जान जोखिम में? दस-दस मिनट के अंतराल पर बस संचालन के आरोप

दुर्घटना के बाद परिवहन विभाग की परमिट व्यवस्था कठघरे में,समय-सारिणी की समीक्षा की मांग...

- यात्री बसों में सेवा की प्रतिस्पर्धा या रफ्तार की होड़? दस मिनट के अंतराल पर परमिट का मामला गरमाया
- सड़क पर बसों की रेस रोकिए! परमिट और समय-सारिणी की समीक्षा करे परिवहन विभाग



बसों को परमिट बांटने में जल्दबाजी,सड़कों पर रफ्तार की प्रतिस्पर्धा!

-रवि सिंह-

एमसीबी/मनेंद्रगढ़,01 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

मनेंद्रगढ़ से केल्हारी जा रही यात्री बस के सेमरमथानी मोड़ के पास पेड़ से टकराने की घटना ने एक बार फिर यात्री परिवहन व्यवस्था और बसों के संचालन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं,हादसे में दो लोगों की मौत और करीब 20 यात्रियों के घायल होने की सूचना सामने आई है,इनमें चार घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है, हालांकि, मृतकों और घायलों की संख्या की अंतिम आधिकारिक पुष्टि संबंधित प्रशासन से होना शेष है।

इस दुर्घटना के बाद अब केवल चालक की भूमिका या सड़क की स्थिति पर ही सवाल नहीं उठ रहे, बल्कि परिवहन विभाग की परमिट आवंटन व्यवस्था भी चर्चा के केंद्र में आ गई है,सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार,कुछ मार्गों पर बसों को महज दस-दस मिनट के अंतराल पर परमिट जारी किए जाने की बात सामने आ रही है,यदि यह स्थिति सही है तो इसकी गंभीरता से समीक्षा जरूरी है,क्योंकि कम समय के अंतराल पर बसों का संचालन बस संचालकों के बीच यात्रियों को अपनी ओर आकर्षित करने की प्रतिस्पर्धा बढ़ा सकता है,सवाल यह है कि क्या परिवहन विभाग परमिट जारी करते समय मार्ग की भौगोलिक परिस्थितियों,सड़क की स्थिति,यात्रा में लगने वाले वास्तविक समय और पहले से संचालित बसों की समय-सारिणी का पर्याप्त आकलन कर रहा है? क्या परमिट जारी करने का उद्देश्य यात्रियों को बेहतर परिवहन सुविधा देना है या फिर बिना समुचित समय-अंतराल के बसों की संख्या बढ़ाते जाना?

दस मिनट का अंतराल,सड़कों पर बसों के बीच प्रतिस्पर्धा!

बस संचालन में समय-सारिणी का अपना महत्व है, यदि एक ही मार्ग पर एक बस के कुछ ही मिनट बाद दूसरी बस को भी संचालन की अनुमति मिलती है, तो यात्रियों को अपने वाहन में बैठाने को लेकर संचालकों और चालकों के बीच प्रतिस्पर्धा पैदा होने की आशंका रहती है,ऐसी स्थिति में समय पर पहुंचने और अधिक यात्रियों को बैठाने का दबाव चालक के व्यवहार को प्रभावित कर सकता है,यात्रियों को अपने वाहन में बैठाने की होड़, निर्धारित समय से पहले निकलने की कोशिश, तेज गति से बस चलाना और रास्ते में दूसरी बस से आगे निकलने का प्रयास जैसी स्थितियां यात्री सुरक्षा के लिए जोखिम पैदा कर सकती हैं,हालांकि, सेमरमथानी मोड़ पर हुई दुर्घटना का कारण जांच के बाद ही स्पष्ट होगा,लेकिन परमिट और समय-सारिणी से जुड़े सवालों की अनदेखी भी नहीं की जा सकती,सूत्रों का दावा है कि कुछ मार्गों पर बसों को दस मिनट के आसपास के अंतराल पर परमिट दिए गए हैं,यदि ऐसा है तो परिवहन विभाग को यह स्पष्ट करना चाहिए कि किन परिस्थितियों और किस आधार पर इतनी कम समय दूरी वाली समय-सारिणी निर्धारित की गई है।

पहाड़ी और घाटी वाले मार्गों पर अलग व्यवस्था की जरूरत

मनेंद्रगढ़-केल्हारी सहित क्षेत्र के कई मार्गों पर जंगल, पहाड़ी, मोड़ और घाटी जैसी भौगोलिक परिस्थितियां हैं, ऐसे रास्तों पर बस संचालन सामान्य मैदानी मार्गों की तरह नहीं किया जा सकता, सड़क की चौड़ाई,तीखे मोड़, दृश्यता, ढलान और मौसम जैसी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए बसों की गति और समय-सारिणी निर्धारित करना आवश्यक है,यदि दो बसों के बीच पर्याप्त समय का अंतर नहीं होगा तो आगे चल रही बस के पीछे दूसरी बस के पहुंचने और उसे ओवरटेक करने की प्रतिस्पर्धा की आशंका बढ़ सकती है,ऐसे मार्गों पर कुछ मिनट का अंतराल कागज पर भले ही सामान्य दिखाई दे,लेकिन वास्तविक सड़क परिस्थितियों में उसका असर अलग हो सकता है,इसलिए परिवहन विभाग को प्रत्येक मार्ग की लंबाई,यात्रा में लगने वाले औसत समय,सड़क की स्थिति और बसों की संख्या के आधार पर परमिट तथा समय-सारिणी की समीक्षा करनी चाहिए।

परमिट जारी करने में पारदर्शिता पर भी उठ रहे सवाल

परिवहन विभाग की परमिट प्रक्रिया को लेकर कुछ स्तरों पर आर्थिक लेन-देन और मनमाने तरीके से परमिट जारी किए जाने के आरोप भी चर्चा में हैं, हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और दस्तावेजी प्रमाण सामने आना अभी आना बाकि है, ऐसे में संबंधित विभाग को परमिट जारी करने की प्रक्रिया, आवेदन,स्वीकृति और समय-सारिणी का रिकॉर्ड सार्वजनिक कर पारदर्शिता सुनिश्चित करनी चाहिए,यह भी स्पष्ट किया जाना चाहिए कि एक ही मार्ग पर कितनी बसों को परमिट जारी किए गए हैं,उनके संचालन का समय क्या है और परमिट देते समय यात्रियों की सुविधा तथा सुरक्षा को किस आधार पर प्राथमिकता दी गई, यदि नियमों की अनदेखी या किसी प्रकार की अनियमितता सामने आती है तो उसकी निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारी

30 से 45 मिनट का अंतराल तय करने पर हो विचार

बसों के बीच समय-सारिणी में पर्याप्त अंतर रखना यात्री सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण हो सकता है, स्थानीय स्तर पर यह मांग उठ रही है कि एक ही मार्ग पर संचालित बसों के परमिट और समय-सारिणी की समीक्षा कर उनके बीच कम से कम 30 से 45 मिनट का अंतराल रखने की व्यवहारिक संभावना पर विचार किया जाए, हालांकि,यह अंतराल सभी मार्गों के लिए एक जैसा तय करने के बजाय सड़क की स्थिति,मार्ग की दूरी,यात्रा के वास्तविक समय और यात्रियों की संख्या के आधार पर निर्धारित किया जाना चाहिए, परिवहन विभाग को बस संचालकों की सुविधा से पहले यात्रियों की सुरक्षा और सुगम परिवहन को प्राथमिकता देनी होगी।

हादसे के बाद विभाग की जिम्मेदारी भी तय हो...

सेमरमथानी मोड़ पर हुई दुर्घटना की निष्पक्ष जांच के साथ यह भी जरूरी है कि संबंधित मार्ग पर संचालित सभी यात्री बसों के परमिट,फिटनेस, बीमा,चालक का लाइसेंस,समय-सारिणी और तकनीकी स्थिति की जांच की जाए,बसों की गति पर निगरानी,ओवरलोडिंग की रोकथाम और चालकों द्वारा यातायात नियमों के पालन को भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए,सबसे अहम बात यह है कि परिवहन विभाग केवल दुर्घटना के बाद जांच और कार्रवाई तक सीमित न रहे,बल्कि ऐसी परिस्थितियों की पहचान करे जिनसे दुर्घटनाओं का जोखिम बढ़ सकता है,परमिट जारी करने की प्रक्रिया में यदि समय-अंतराल और मार्ग की वास्तविक परिस्थितियों को पर्याप्त महत्व नहीं दिया जा रहा है तो उसमें सुधार किया जाना चाहिए, आखिर बसों को परमिट देने का उद्देश्य यात्रियों को सुरक्षित और सुविधाजनक परिवहन उपलब्ध कराना है,न कि सड़कों पर बस संचालकों के बीच ऐसी प्रतिस्पर्धा पैदा करना जिसमें समय और यात्रियों की होड़ के बीच सुरक्षा पीछे छूट जाए, सेमरमथानी हादसे ने इस व्यवस्था की समीक्षा की जरूरत को फिर सामने ला दिया है,अब देखना होगा कि परिवहन विभाग इन सवालों पर गंभीरता से विचार करता है या फिर यह मामला भी दुर्घटना के बाद होने वाली औपचारिक कार्रवाई तक ही सीमित रह जाता है।

संभाग के सभी 819 पटवारियों को तत्काल कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश,संबंधित एसडीएम ने जारी किए शो कॉज नोटिस'

पटवारियों को हड़ताल समाप्त कर काम पर लौटने का अल्टीमेटम

- फसल क्षति सर्वेक्षण और जरूरी राजस्व कार्य प्रभावित, अनुपस्थित रहने पर नियमानुसार कार्रवाई की चेतावनी'
- अनुपस्थिति अवधि को ब्रेक इन सर्विस माना जावेगा

-संवाददाता-

जशपुर,01 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग में हड़ताल पर गए सभी 819 पटवारियों को तत्काल काम पर लौटने के निर्देश दिए गए हैं। संभागायुक्त श्री नरेन्द्र दुग्गा ने संबंधित पटवारियों को तत्काल कार्य पर उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सरगुजा संभाग के सभी 6 जिलों के अनुविभागीय दण्डाधिकारियों (एसडीएम) को निर्देशित करते हुए कहा कि उनके अनुविभाग में जो-जो पटवारी हड़ताल पर गए हैं उन्हें नोटिस जारी कर तत्काल अपने कर्तव्य पर उपस्थित होकर कार्यभार ग्रहण करने तथा संबंधित तहसीलदार के माध्यम से उसी दिन व्यक्तिगत लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित तिथि पर मुख्यालय में उपस्थिति नहीं देने एवं स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं करने पर नियमानुसार एकपक्षीय कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। सूरजपुर जिले के 192, सरगुजा जिले के 216, कोरिया के 60, एमसीबी जिले के के 51, जशपुर जिले के 150 एवं बलरामपुर जिले के 150 पटवारियों को शो-काज नोटिस जारी किया गया है।

बलरामपुर जिले में मुख्यालय में निवास नहीं करने के कारण 5 पटवारियों को निलंबित की कार्यवाही भी की गई है एवं सभी हड़ताल पर गए पटवारियों को निर्देशित किया गया है कि वे तत्काल अपने कार्य पर उपस्थित होकर शासकीय कार्य का संपादन करे।

संभागायुक्त श्री दुग्गा ने कहा कि सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति अथवा स्वीकृत अवकाश के बिना कर्तव्य से अनुपस्थित रहने के कारण महत्वपूर्ण एवं समयबद्ध शासकीय कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इनमें डिजिटल क्रॉप सर्वे, फिजिकल वेरिफिकेशन,एग्रीस्टैक तथा आगामी धान खरीदी से संबंधित कृषक अभिलेखों का सत्यापन शामिल है। इसके अलावा आय,जाति एवं निवास प्रमाण-पत्रों के लिए आवश्यक जांच प्रतिवेदन,नामांतरण, बंटवारा,सीमांकन और राजस्व न्यायालयीन प्रकरणों सहित अन्य जरूरी कार्यों पर भी असर पड़ रहा है।

चक्रवाती तूफान के कारण विभिन्न क्षेत्रों में हुई फसल क्षति का त्वरित सर्वेक्षण, नुकसान का आकलन और पात्रतानुसार राहत संबंधी कार्रवाई प्राथमिकता से की जानी है। पटवारियों की अनुपस्थिति से ये अत्यावश्यक कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं, जिससे किसानों एवं आम नागरिकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। संबंधित पटवारियों से अनधिकृत अनुपस्थिति के लिए अनुशासनात्मक कार्रवाई, अनुपस्थिति अवधि के वेतन एवं अन्य सेवा लाभों के संबंध में नियमानुसार कार्रवाई तथा उक्त अवधि को सेवा में व्यवधान (ब्रेक इन सर्विस) माना जाएगा।)

CMYK



बाहुबली के भल्लालदेव ने कंगना रनौत के साथ किया हॉरर फिल्म का एलान

स्केरी पिक्चर में क्वीन बनेगी खौफनाक

दिल्ली में आयोजित हॉररकॉन इंडिया 2026 में,राणा दग्गुबाती ने एक हॉरर फिल्म बनाने की घोषणा की जिसमें कंगना रनौत होंगी। हैलोवीन के मौके पर नई दिल्ली में आयोजित हॉररकॉन इंडिया 2026 में बाहुबली के भल्लालदेव यानी राणा दग्गुबाती ने एक चौंकाने वाली घोषणा की। उन्होंने बताया कि वह स्केरी पिक्चर नाम की एक हॉरर फिल्म प्रोड्यूस करने जा रहे हैं।

राणा दग्गुबाती ने की हॉरर फिल्म की घोषणा

इस फिल्म का निर्देशन तेलुगु फिल्म निर्माता-अभिनेता रवि बाबू करेंगे,जो अपनी लीक से हटकर बनी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। इस फिल्म में कंगना रनौत मुख्य भूमिका में होंगी उन्होंने रविवार को अपने इंस्टाग्राम पर इस खबर की पुष्टि की।

कंगना रनौत होंगी लीड हीरोइन

कंगना रनौत की अगली फिल्म का नाम स्केरी पिक्चर है। हॉररकॉन से सामने आए एक वीडियो में राणा दग्गुबाती को मंच पर अपने अगले प्रोजेक्ट की घोषणा करते हुए देखा जा सकता है। स्क्रीन पर दिख रही एक झलक से पता चलता है कि फिल्म का नाम स्केरी पिक्चर है। फिल्म के नाम से संकेत मिलता है कि इसे हिंदी में बनाया जाएगा। हालांकि राणा के प्रोडक्शन हाउस की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन कंगना ने इंस्टाग्राम के एक पेज से एक वीडियो रीपोस्ट किया है,जिसमें यह अभिनेता-फिल्म निर्माता फिल्म के बारे में बता रहे हैं।

रवि बाबू हैं फिल्म के डायरेक्टर

राणा ने हॉररकॉन में इस फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा, यह एक हॉरर फिल्म है। इसे रवि बाबू डायरेक्ट कर रहे हैं, जो मेरे दोस्त हैं। उन्होंने तेलुगु में कई हॉरर फिल्में बनाई हैं और यह उनकी पहली हिंदी फीचर फिल्म है। फिल्म के टाइटल की घोषणा सबसे पहले यहीं की जा रही है। हमने अभी तक किसी हिंदी प्रेस को इसके बारे में नहीं बताया था; यह पहली बार है जब हम इस जानकारी को सबके सामने ला रहे हैं। रवि बाबू लीक से हटकर,अलग तरह की और एक्सपेरिमेंटल फिल्म-मेकिंग शैली के लिए जाने जाते हैं। उनकी फिल्में भले ही हमेशा बॉक्स-ऑफिस पर बहुत सफल न रही हों,लेकिन अपनी अनोखी खूबी के कारण वे हमेशा अलग नजर आती हैं। 2023 में, उन्होंने बेब जैसी एक फिल्म अधुगो बनाने की कोशिश की थी, जिसमें एक सुअर का बच्चा मुख्य किरदार था।इस साल उन्होंने रेजर का निर्देशन किया। चूंकि इस फिल्ममेकर-अभिनेता का जाने-माने चेहरों के साथ काम करना बहुत कम ही देखने को मिलता है,इसलिए यह देखना दिलचस्प होगा कि स्केरी पिक्चर में वे क्या नया लेकर आते हैं।

कंगना रनौत का वर्कफ्रंट

हिमाचल प्रदेश के मंडी से सांसद होने के नाते,कंगना आजकल राजनीति और फिल्मों,दोनों को एक साथ संभाल रही हैं। हाल ही में वह इस साल आई फिल्म भारत भाग्य विधाता में नजर आईं, जिसे उन्होंने प्रोड्यूस भी किया था। इस फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली और इसने दुनिया भर में कुल ₹8 करोड़ की कमाई की। यह फिल्म अभी जी-5 पर स्ट्रीम हो रही है।कंगना की आखिरी हिंदी हॉरर फिल्म 2009 में आई राजः द मिस्ट्री कंटीन्यूज थी। 2023 में, उन्होंने तमिल हॉरर-कॉमेडी चंद्रमुखी 2 में काम किया। इसके अलावा उनकी पाइपलाइन में क्वीन 2 भी है।

जिया शंकर ने मंगेतर करण को इंस्टाग्राम पर फिर किया फॉलो, सगाई टूटने की खबरों के बीच साथ मनाया हैलोवीन



ब्रेकअप की अफवाहों के बीच जिया शंकर ने अपने मंगेतर करण धनक के साथ गेम ऑफ थ्रोन्स के लुक में हैलोवीन मनाया। एक्ट्रेस जिया ने दोनों की एक तस्वीर शेयर की है। इसके साथ ही एक-दूसरे को इंस्टाग्राम पर फिर से फॉलो भी कर लिया है।

बिग बॉस फेम जिया शंकर ने अपने मंगेतर करण धनक के साथ रिश्ते में खटास की अटकलों को हवा दे दी। सोशल मीडिया पर लोगों ने देखा कि जिया दिल टूटने,धोखे और भावनात्मक दर्द से जुड़ी पोस्ट और रील्स को रीशेयर कर रही थीं। इन अफवाहों को और बल तब मिला, जब जिया ने इंस्टाग्राम पर करण को अनफॉलो कर दिया, जिससे प्रशंसक यह सोचने पर मजबूर हो गए कि क्या दोनों के बीच सब कुछ ठीक है। करण धनक के साथ अनबन की अफवाहों के बीच एक्ट्रेस जिया ने साथ में हैलोवीन मनाया और एक तस्वीर भी शेयर की, जिससे इन अटकलों पर विराम लग गया।

जिया शंकर ने करण धनक संग मनाया हैलोवीन

इन अटकलों पर विराम लगाते हुए, जिया शंकर ने हाल ही में अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर करण के साथ एक तस्वीर शेयर की। फोटो में यह कपल गेम ऑफ थ्रोन्स के किरदारों से प्रेरित हैलोवीन कॉस्ट्यूम पहने एक साथ पोज देता नजर आया। दोनों इस फोटो में रोमांटिक अंदाजा में नजर आ रहे हैं।

ब्रेकअप की खबरों के बीच जिया ने करण को किया फॉलो

अनबन की अफवाहों के बीच जिया शंकर न सिर्फ मंगेतर करण के साथ रोमांटिक तस्वीर शेयर की है, बल्कि अब इंस्टाग्राम पर फिर से एक-दूसरे को फॉलो कर लिया है। उनके रिश्ते को लेकर चल रही अफवाहों के बीच इस बात ने फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है।

जिया शंकर ने ब्रेकअप की अफवाहों पर किया रिएक्ट

अपनी निजी जिंदगी को लेकर हो रही चर्चाओं पर जिया शंकर ने सफाई देते हुए कहा कि उनके रिश्ते को लेकर लगाए जा रहे कयास, उनकी ओर से शेयर की गई जानकारी से कहीं ज्यादा बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए गए हैं। 31 अक्टूबर को जिया ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक बयान जारी किया,जिसमें उन्होंने अपनी निजी जिंदगी को लेकर चल रही अटकलों पर बात की। उन्होंने लिखा,मैं एक बात साफ करना चाहती हूं। मेरी निजी जिंदगी को लेकर हाल ही में लगाए गए कयास, मेरी बताई गई बातों से कहीं आगे निकल गए हैं। फैंस से जल्दबाजी में किसी नतीजे पर न पहुंचने की अपील करते हुए उन्होंने आगे कहा,कृपया मेरे रिश्ते को लेकर कोई अटकलें न लगाएं और न ही अफवाहें फैलाएं। कुछ चीजें निजी होती हैं और मुझे अच्छा लगेगा अगर सभी लोग इसका सम्मान करें।

2026 में हुई थी जिया-करण की सगाई

जिया शंकर ने अगस्त में करण धनक के साथ सगाई की थी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर प्रपोजल की बेहद खूबसूरत तस्वीरें शेयर कीं। करण अमेरिका में रहने वाले एक उद्यमी हैं, जो सगाई की घोषणा होने तक जिया की पब्लिक लाइफ से काफी हद तक दूर रहे थे।

अर्शदीप सिंह को पैसे और फेम के लिए डेट करने के दावे पर भड़कीं समरीन कौर



अर्शदीप सिंह ने अपनी गर्लफ्रेंड समरीन कौर उनका पोस्ट शेयर कर उनका समर्थन किया। साथ ही उन्होंने साफ कर दिया कि उनके रिश्ते पर बार-बार सवाल उठाने वालों को वह बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेंगे। पंजाबी एक्टर-मॉडल समरीन कौर और भारतीय क्रिकेटर अर्शदीप सिंह अपने रिलेशनशिप को लेकर लगातार चर्चा में हैं। पिछले दिनों अर्शदीप सिंह ने समरीन के बर्थडे पर एक प्यार भरा नोट साझा किया था, जिसे फैंस से खूब प्यार मिला। लेकिन, पिछले कुछ दिनों से एक्ट्रेस को उनके रिश्ते के लिए लगातार निशाने पर लिया जा रहा है। अब समरीन ने अर्शदीप सिंह के साथ अपने रिश्ते को लेकर हो रही लगातार टिप्पणियों के खिलाफ आवाज उठाई है। लोगों के लगातार जज करने और शोहरत पाने के लिए अर्शदीप को डेट करने का आरोप लगाए जाने से तंग आकर उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपने रिश्ते को लेकर समाज के डबल स्टैंडर्ड्स पर सवाल उठाए हैं। समरीन ने साफ कर दिया है कि वह अपने फैसलों से खुश हैं और उन्हें सोशल मीडिया पर अनजान लोगों के सामने अपनी निजी जिंदगी को लेकर सफाई देने की कोई जरूरत नहीं है। अर्शदीप ने भी उनका समर्थन किया है। क्रिकेटर अर्शदीप ने समरीन की पोस्ट शेयर करते हुए साफ कहा कि उनके रिश्ते पर बार-बार टिप्पणी करने वालों को वह बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेंगे।

खेल- समाचार



पीवी सिंधू ने जीता हाइलो ओपन

केयर्सफेल्ड को सीधे गेम में हराकर अपने नाम किया सीजन का दूसरा खिताब

जर्मनी,01 नवम्बर 2026। भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने एक बार फिर देश का नाम रोशन किया है और हाइलो ओपन का खिताब जीत लिया है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने रविवार को डेनमार्क की लाइन होजमार्क केयर्सफेल्ड को सीधे गेम में हराया। विश्व रैंकिंग में 25 वें स्थान पर काबिज केयर्सफेल्ड ने वापसी की कोशिश की, लेकिन वह भारतीय स्टार के सामने कोई चुनौती नहीं पेश कर सकीं। पीवी सिंधू ने 40 मिनट से भी कम समय में हाइलो ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। यह मौजूदा सत्र का उनका दूसरा खिताब है। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू ने यह टूर्नामेंट जीतने के साथ ही पांच लाख डॉलर की इनामी राशि हासिल की है। 39 मिनट तक चले फाइनल में उन्होंने आठवीं वरीयता प्राप्त केयर्सफेल्ड को 21-12, 21-14 से हराया।

जुलाई में जीता था जापान ओपन

जुलाई में जापान ओपन में खिताब जीतने वाली और पिछले सप्ताह फ्रेंच ओपन में उपविजेता रही सिंधू ने पूरे मुकाबले में शानदार नियंत्रण और दमदार खेल का प्रदर्शन किया। विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज भारतीय खिलाड़ी ने इस जीत के साथ 9,200 रैंकिंग अंक हासिल किए और सत्र के अंत में होने वाले विश्व टूर फाइनल्स के लिए अपनी दावेदारी मजबूत की। दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधू का फाइनल से पहले केयर्सफेल्ड के खिलाफ जीत-हार का रिकॉर्ड 6-1 था। डेनमार्क की खिलाड़ी को उनके खिलाफ एकमात्र जीत 2025 सुदीरमन कप फाइनल्स में मिली थी।

इस सीजन सिंधू का कमाल

सिंधू ने जापान ओपन जीतने के साथ ही फॉर्म में वापसी की थी और वह यह खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनीं थीं। इसके साथ ही जापान ओपन उनका पहला बीएफडब्ल्यू सुपर 750 टाइटल भी था। पिछले सप्ताह फ्रेंच ओपन के फाइनल में हार के बाद से सिंधु ने कोई भी गेम नहीं गंवाया है और फाइनल में भी यह सिलसिला बरकरार रखा।



गोल्डन स्टेट वाल्कीरीज ने रचा इतिहास

सैन फ्रांसिस्को,01 नवम्बर 2026। अमेरिका की महिला पेशेवर बास्केटबॉल लीग डब्ल्यूएनबीए में गोल्डन स्टेट वाल्कीरीज ने इतिहास रच दिया है। टीम ने रोमांचक फाइनल मुकाबले में अटलांटा ड्रीम को 68-63 से हराकर अपना पहला डब्ल्यूएनबीए चैंपियनशिप खिताब जीत लिया। सैन फ्रांसिस्को के चेस सेंटर में खेले गए सातवें और निर्णायक मुकाबले में गोल्डन स्टेट ने शानदार वापसी करते हुए यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। खास बात यह रही कि वाल्कीरीज ने लीग में अपने दूसरे ही सीजन में चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। इस जीत के साथ टीम ने डब्ल्यूएनबीए इतिहास में सबसे कम समय में खिताब जीतने वाली विस्तार टीम के रूप में अपनी पहचान बनाई।इस ऐतिहासिक जीत की सबसे बड़ी नायिका गैबी विलियम्स रहीं,जिन्होंने निर्णायक मुकाबले में 30 अंक बनाए। उन्होंने दूसरे हाफ में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 28 अंक हासिल किए और अपनी टीम को मुश्किल स्थिति से बाहर निकाला।

दिल्ली में विश्व पैरा आर्मरेसलिंग चैंपियनशिप का आगाज,दीपा मलिक ने किया उद्घाटन



नई दिल्ली,01 नवम्बर 2026। भारत की राजधानी दिल्ली में खेल जगत का एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय आयोजन शुरू हो गया है। देश की पहली महिला पैरालंपिक पदक विजेता और पद्मश्री सम्मानित दीपा मलिक तथा भारतीय पैरालंपिक समिति के उपाध्यक्ष सत्य प्रकाश सांगवान ने रविवार, 1 नवंबर 2026 को 28वीं विश्व पैरा आर्मरेसलिंग चैंपियनशिप का औपचारिक उद्घाटन किया। पूर्वी दिल्ली स्थित द लीला एम्बिएंस कन्वेंशन होटल में आयोजित इस प्रतियोगिता में दुनिया के 60 से अधिक देशों के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। आयोजन में 400 से अधिक पैरा एथलीटों की भागीदारी से अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर भारत की मेजबानी को विशेष महत्व मिला है।यह चैंपियनशिप 47वीं विश्व आर्मरेसलिंग चैंपियनशिप के साथ आयोजित की जा रही है। दोनों प्रतियोगिताओं का आयोजन 26 अक्टूबर से 7 नवंबर 2026 तक निर्धारित है। हालांकि, पैरा आर्मरेसलिंग की स्पर्धाओं का औपचारिक उद्घाटन रविवार को किया गया। इस अवसर पर विभिन्न देशों से पहुंचे खिलाडियों, खेल अधिकारियों और आयोजकों ने हिस्सा लिया।

ईशान किशन ने तोड़ा सूर्यकुमार यादव का रिकॉर्ड



हैमिल्टन,01 नवम्बर 2026। भारतीय क्रिकेट टीम के विस्फोटक विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें और आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में इतिहास रच दिया। रविवार,1 नवंबर 2026 को हैमिल्टन के सेडन पार्क में खेले गए मुकाबले में ईशान किशन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए सूर्यकुमार यादव का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया। वह एक कैलेंडर वर्ष में भारत के लिए सबसे ज्यादा टी20 अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। ईशान ने वर्ष 2026 में अपने रनों का आंकड़ा 1220 तक पहुंचा दिया। इससे पहले यह रिकॉर्ड सूर्यकुमार यादव के नाम था, जिन्होंने वर्ष 2022 में 1164 रन बनाए थे। इस उपलब्धि के साथ ईशान किशन ने भारतीय टी20 क्रिकेट के इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता

लोक निर्माण विभाग (वि/यां.) संभाग अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा छ0ग0

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक-6052/NIT - 13 / 2026-2027/व.ले. लि. दिनांक- 29/10/2026

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 10/11/2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि - 18 /11 / 2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि - 19/11 / 2026 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

कार्यों हेतु -

निविदा प्रपत्र A का मूल्य - 750.00 रूपये, निविदाकारों की श्रेणी - ई-पंजीयन के अंतर्गत 'द' से 'अ' तक तथा कार्य की अवधि 10097 से 10100 एवं 10104 से 10106 एवं 10109 से 10112 हेतु दिनांक 31.10.2027 तक एवं अन्य हेतु दिनांक 31.03.2027 वर्षा ऋतु सहित निर्धारित है।

एनआईटी क्र.13 निविदा क्र.	कार्य का नाम/ NoOfCalls (प्रथम आमंत्रण)	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) - अमानत राशि(रू.मे) - बैंक साल्वेंसी (रू.में)
1	2	3
T0097	कोरिया जिले के अंतर्गत डुमरबहरा से पूर्व माध्यमिक शाला भण्डारपारा तक पहुँच मार्ग में पोल शिफ्टिंग का कार्य (बजट कार्य)	3.40 - 3400.00 -51000.00
T0098	कोरिया जिले के अंतर्गत दुधनियाकला में दिनेश किराना से संतोषी मंदिर धाड़पाथर देव स्थल तक पोल शिफ्टिंग का कार्य (बजट कार्य)	4.86 -4860.00 -72900.00
T0099	कोरिया जिले के अंतर्गत बिशुनपुर से बनखेता पारा तक मार्ग में पोल शिफ्टिंग का कार्य (बजट कार्य)	0.98 - 2000.00 -14700.00
T0100	जिला कोरिया के विकासखंड बैकुंठपुर अंतर्गत फायर स्टेशन भवन में विधुतीकरण का कार्य (बजट कार्य)	8.62 - 6465.00 -129300.00
T0101	जिला कोरिया के विकासखंड बैकुंठपुर अंतर्गत जिला न्यायालय भवन के शौचालय में विधुतीकरण का कार्य //बजट कार्य//	0.62 - 2000.00 - 9300.00
T0102	जिला जेल बैकुंठपुर के बैरक में एंटी सुसाईडल फेन लगाने का कार्य //जमा कार्य//	0.24 - 2000.00 -3600.00
T0103	न्यायालय कैंपस रामानुजगंज में अतिरिक्त कक्ष का विधुतीकरण कार्य। //बजट कार्य//	0.80 - 2000.00 -12000.00
T0104	जिला एम.सी.बी. के अंतर्गत जनजातीय गौरव समाज भवन, ग्राम पंचायत पोड़ी डीह, जनपद पंचायत खड़गवां का विधुतीकरण कार्य । //सिविल जमा कार्य//	5.80 - 5000.00 - 87000.00
T0105	जिला एम.सी.बी. के अंतर्गत बाल कल्याण समिति भवन मनेन्द्रगढ़ का विधुतीकरण कार्य । //सिविल जमा कार्य//	0.67 - 2000.00 -10050.00
T0106	जिला एम.सी.बी. के अंतर्गत किशोर न्याय बोर्ड भवन मनेन्द्रगढ़ का विधुतीकरण कार्य । //सिविल जमा कार्य//	0.67 - 2000.00 -10050.00
T0107	जिला एम.सी.बी. अंतर्गत मनेन्द्रगढ़ स्थित Treasury Office हेतु आंतरिक विधुतीकरण कार्य के साथ LAN कार्य । //जमा कार्य//	0.95 - 2000.00 -14250.00
T0108	जिला एम.सी.बी. के अंतर्गत औद्योगिक क्षेत्र परसगढ़ी में अस्थाई पुलिस प्रसिक्षण केंद्र के आंतरिक विधुतीकरण कार्य । //जमा कार्य //	2.50 - 2500.00 -37500.00
T0109	सरगुजा जिले के अंतर्गत उर्वरक गुण नियंत्रण प्रयोगशाला में विधुतीकरण का कार्य। //सिविल जमा कार्य//	7.37 - 5528.00 -110550.00
T0110	सरगुजा जिले के अंतर्गत पटवारी प्रशिक्षण शाळा भवन में विधुतीकरण कार्य। //सिविल जमा कार्य//	3.71 - 3710.00 -55650.00
T0111	सरगुजा जिले के अंतर्गत विकासखंड अंबिकापुर के ग्राम सकालो में हाई स्कूल भवन में विधुतीकरण का कार्य। //सिविल जमा कार्य//	2.10 -2100.00 -31500.00
T0112	जिला सरगुजा के ब्लाक सीतापुर अंतर्गत शासकीय श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय में 06 नग अतिरिक्त कक्ष में विधुतीकरण का कार्य (बजट कार्य)	9.99 - 7493.00 -149850.00

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (वि./यां.) संभाग
अम्बिकापुर सरगुजा (छ0ग0)

जी0नं0 -262704302/3

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा0प्र0क्र0-/ब-121/2026-27

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शशांक कुमार गुप्ता आ. विनोद कुमार गुप्ता, निवासी त्रिकुण्डा, तहसील वाड्रफनगर, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज छ.ग. के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदक के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम सुभाषनगर स्थित खसरा नंबर 103/16 रकबा 0.044 हे. भूमि को पंजीबद्ध विक्रयपत्र दिनांक 19.02.2024 के माध्यम से क्रय किया गया है। जिसका नामांतरण हो चुका है किन्तु त्रुटिवश उक्त भूमि अनावेदकगण लक्ष्मी मण्डल, प्रहलाद मण्डल के नाम पर दर्ज हो गया है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि के राजस्व अभिलेखों से अनावेदकगण का नाम विलोपित कर अपने नाम पर दर्ज कर त्रुटि सुधार किये जाने हेतु निवेदन किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 13/11/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है । समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक-26/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील

तहसीलदार
अंबिकापुर,सरगुजा

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा.प्र.क्र./अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/ आवेदिका सुरेन्द्र प्रसाद वर्मा आ0/पति सरयू प्रसाद वर्मा जाति, निवासी डीसी रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-कंपनी बाजार के पीछे, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1323/5 रकबा 0.031/2 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक / आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक– 11.11.26 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांकः 26.10.26 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील

नजूल अधिकारी
,अंबिकापुर

मुख्यमंत्री साय ने देखा सारंग टीम का रोमांचकारी हवाई करतब...नवा रायपुर के आसमान में भारतीय वायु सेना के शौर्य, साहस और कौशल का अद्भुत प्रदर्शन

सारंग टीम का प्रदर्शन अनुशासन,आपसी विश्वास,टीम भावना और उत्कृष्टता का अनुपम उदाहरण : सीएम साय







रायपुर,01 नवंबर 2026। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के गौरवपूर्ण अवसर पर आज नवा रायपुर का आसमान भारतीय वायु सेना के अदम्य शौर्य,साहस,अनुशासन और अद्भुत उड़ान कौशल का साक्षी बना। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज नवा रायपुर के सेंध लेक में आयोजित भारतीय वायु सेना की विश्वप्रसिद्ध सारंग एयरोबेटिक डिस्प्ले टीम के रोमांचकारी हवाई प्रदर्शन की फुल ड्रेस रिहर्सल में शामिल हुए। इस अवसर पर भारतीय वायु सेना की आकाशगंगा स्काईडाइविंग टीम,गरुड़ कमांडोज और सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम के जाँबाजों ने अपने साहसिक करतबों,सटीक नियंत्रण और बेहतरीन तालमेल से उपस्थित जनसमूह को रोमांचित कर दिया। आसमान में तिरंगे की मनमोहक छटा,हेलीकॉप्टरों की आकर्षक फॉर्मेशन और 'वंदे मातरम' की गूंज ने पूरे वातावरण को देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना से सराबोर कर दिया। मुख्यमंत्री साय ने भारतीय वायु सेना के जाँबाजों के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर भारतीय वायु सेना की प्रतिष्ठित सारंग टीम का यह आयोजन हम सभी के लिए अत्यंत गौरव और प्रसन्नता का विषय है। हमारे वायु वीरों ने जिस साहस, अनुशासन,आत्मविश्वास और सटीक समन्वय के साथ अपने कौशल का प्रदर्शन किया है,वह प्रत्येक नागरिक,विशेषकर युवाओं के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल रोमांचकारी हवाई करतबों का प्रदर्शन नहीं,बल्कि भारतीय वायु सेना की उत्कृष्ट क्षमता, कठिन प्रशिक्षण,समर्पण और राष्ट्रसेवा की भावना का जीवंत परिचय है। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हमारा छत्तीसगढ़ इसी प्रकार निरंतर विकास,प्रगति और समृद्धि की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करता रहे। राज्य स्थापना दिवस की खुशियों के बीच भारतीय वायु सेना के जाँबाजों का यह अद्भुत प्रदर्शन प्रदेशवासियों के उत्साह और गौरव को और अधिक बढ़ा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सारंग का अर्थ मोर होता है। जिस प्रकार मोर हमारे देश की विशिष्ट पहचान और सुंदरता का प्रतीक है,उसी प्रकार सारंग टीम भारतीय वायु सेना की गरिमा, उत्कृष्ट कौशल और अनुशासन का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आज छत्तीसगढ़ की धरती पर हम एक ऐसे गौरवशाली उत्सव के साक्षी बन रहे हैं,जहाँ राज्य स्थापना की खुशियों के साथ भारतीय वायु सेना का शौर्य,अनुशासन और अदम्य साहस भी जुड़ गया है। नवा रायपुर का आसमान हमारे वायु वीरों के अद्भुत हुनर, साहस और आपसी तालमेल का गवाह बन रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हवाई प्रदर्शन के दौरान हेलीकॉप्टरों की विभिन्न फॉर्मेशन और साहसिक करतब हमें भले ही सहज और सुंदर दिखाई देते हों,लेकिन इनके पीछे विस्तृत योजना, निरंतर अभ्यास, गहरी एकाग्रता और असाधारण समन्वय होता है। प्रत्येक पायलट को अपनी भूमिका के साथ-साथ अपने साथियों की गतिविधियों का भी पूरा ध्यान रखना पड़ता है। अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में एक-दूसरे पर अटूट विश्वास और सटीक तालमेल ही ऐसी अद्भुत प्रस्तुतियों को संभव बनाता है। उन्होंने कहा कि सारंग टीम का प्रदर्शन हमें यह महत्वपूर्ण संदेश देता है कि अनुशासन,समर्पण,सामूहिक प्रयास और आपसी विश्वास से कठिन से कठिन लक्ष्य को भी प्राप्त किया जा सकता है।

आकाशगंगा के जाँबाजों ने आसमान से उतरकर दिखाया अद्भुत साहस और सटीक नियंत्रण

हवाई प्रदर्शन का रोमांचकारी शुभारंभ भारतीय वायु सेना की प्रसिद्ध आकाशगंगा स्काईडाइविंग टीम ने किया। खुले आसमान से छलांग लगाते हुए टीम के जाँबाजों ने अपने पैराशूटों को कुशलतापूर्वक नियंत्रित कर अदम्य साहस, संतुलन और सटीकता का अद्भुत परिचय दिया। ऊंचे आसमान से उतरते हुए स्काईडाइवर्स ने निर्धारित दिशा और गति के अनुरूप अपने पैराशूटों को नियंत्रित किया तथा सेंध लेक के सामने निर्धारित स्थान पर सटीक लैंडिंग की। आसमान से धरती की ओर उतरते इन साहसी जवानों का प्रदर्शन दर्शकों के लिए रोमांच और उत्सुकता से भरा रहा। निर्धारित स्थान पर सफलतापूर्वक उतरते ही पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। उपस्थित जनसमूह ने भारतीय वायु सेना के इन जाँबाजों के अद्भुत साहस और उत्कृष्ट प्रशिक्षण की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। आकाशगंगा टीम की इस प्रस्तुति ने भारतीय वायु सेना के जवानों की शारीरिक दक्षता, मानसिक दृढ़ता,कठिन परिस्थितियों में संतुलन बनाए रखने की क्षमता और उच्चस्तरीय प्रशिक्षण की प्रभावशाली झलक प्रस्तुत की।

गरुड़ कमांडोज ने दिखाया चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में विशेष ऑपरेशन का कौशल : आकाशगंगा टीम के प्रदर्शन के पश्चात भारतीय वायु सेना के गरुड़ कमांडोज ने एमआई-17 हेलीकॉप्टर से स्लिदरिंग का साहसिक प्रदर्शन किया। हवा में एक स्थान पर स्थिर हेलीकॉप्टर से रस्सियों के सहारे नीचे उतरते जवानों ने कठिन एवं चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में निर्धारित स्थान तक पहुँचने की अपनी दक्षता का परिचय दिया। गरुड़ कमांडोज ने हेलीकॉप्टर से उतरकर सेंध लेक के सामने रेस्क्यू एवं कॉम्बैट ऑपरेशन का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इसके पश्चात जवानों ने मंच को सलामी दी। हवा में स्थिर हेलीकॉप्टर से रस्सियों के सहारे उतरने और निर्धारित स्थान पर ऑपरेशन को अंजाम देने की इस प्रस्तुति ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। इस प्रदर्शन के माध्यम से भारतीय वायु सेना के विशेष बलों की परिचालन क्षमता,त्वरित कार्रवाई, साहसिक प्रशिक्षण और कठिन परिस्थितियों में मिशन को सफलतापूर्वक पूरा करने की दक्षता का परिचय मिला। दर्शकों ने कमांडोज के अदम्य साहस और अनुशासित प्रदर्शन की करतल ध्वनि से सराहना की। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर सारंग टीम ने प्रदेश के प्रति अपने विशेष स्नेह और सम्मान का भी परिचय दिया। हवाई प्रदर्शन के दौरान ग्रुप कैप्टन अभिजीत कुमार ने हेलीकॉप्टर के कॉकपिट से छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय उद्घोष 'छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया' के माध्यम से प्रदेशवासियों का आत्मीय अभिवादन किया।

सारंग के पांच हेलीकॉप्टरों ने आसमान में रचा रोमांच,हैरतअंगेज करतबों ने थाम दीं दर्शकों की सांसें

हवाई प्रदर्शन का सबसे प्रमुख और रोमांचकारी आकर्षण भारतीय वायु सेना की विश्वप्रसिद्ध सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम की शानदार प्रस्तुति रही। ग्रुप कैप्टन अभिजीत कुमार के नेतृत्व में टीम के पांच हेलीकॉप्टरों ने नवा रायपुर के आसमान में एक के बाद एक आकर्षक फॉर्मेशन और साहसिक हवाई करतब प्रस्तुत किए। सारंग टीम के पायलटों ने अपने हेलीकॉप्टरों को अत्यंत सटीक नियंत्रण,संतुलन और बेहतरीन समन्वय के साथ उड़ाते हुए अद्भुत कौशल का परिचय दिया। आसमान में एक साथ उड़ते पांच हेलीकॉप्टरों की आकर्षक फॉर्मेशन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कभी हेलीकॉप्टर एक-दूसरे के बेहद करीब आते दिखाई दिए,तो कभी अलग-अलग दिशाओं में उड़ान भरते हुए पुनः निर्धारित फॉर्मेशन में एक साथ आ गए। प्रदर्शन के दौरान हेलीकॉप्टरों के बेहद नजदीक से एक-दूसरे को क्रॉस करने वाले रोमांचकारी 'क्रॉसओवर' करतब ने दर्शकों की सांसें थाम दीं। तेज गति से एक-दूसरे के सामने से गुजरते हेलीकॉप्टरों को देखकर उपस्थित जनसमूह आश्चर्यचकित रह गया। इस साहसिक करतब में पायलटों की एकाग्रता, उड़ान पर नियंत्रण और एक-दूसरे के साथ सटीक तालमेल स्पष्ट दिखाई दिया। सारंग टीम ने विभिन्न आकर्षक फॉर्मेशनों और रोमांचकारी मैनुवर के माध्यम से भारतीय वायु सेना की तकनीकी दक्षता, व्यावसायिक उत्कृष्टता और साहसिक उड़ान कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। प्रत्येक नई फॉर्मेशन के साथ दर्शकों का उत्साह बढ़ता गया। हेलीकॉप्टरों के अद्भुत करतबों को देखकर दर्शक बार-बार तालियां बजाकर वायु वीरों का उत्साहवर्धन करते रहे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सारंग टीम के रोमांचकारी प्रदर्शन को उत्साहपूर्वक देखा और पायलटों के साहस, अनुशासन तथा उत्कृष्ट समन्वय की सराहना की।

रायपुर में करोड़ों का प्रतिबंधित गुटखा जब्त

टैक्स चोरी की आशंका,कारोबार से जुड़े लोगों की तलाश;पुलिस ने जीएसटी विभाग को दी सूचना

रायपुर,01 नवंबर 2026। रायपुर में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपए कीमत का प्रतिबंधित गुटखा जब्त किया है। पुलिस ने मुखबिर से मिले इनपुट के बाद संबंधित ठिकानों पर छापा मारा। मौके से बड़ी मात्रा में गुटखा बरामद किया गया है। गुटखा मिलने के बाद पुलिस ने इसकी सूचना राज्य और केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) विभाग को दी है। पुलिस अब पता लगा रही है कि इस कारोबार के पीछे कौन लोग हैं और गुटखे की सप्लाई कहां-कहां की जा रही थी। वहीं, गुटखे के भंडारण और परिवहन में टैक्स चोरी हुई है या नहीं,इसकी भी जांच की जाएगी। फिलहाल विभाग की टीम मामले की जांच कर रही है। यह कार्रवाई खमतराई थाना क्षेत्र में की गई। इससे पहले 26 सितंबर 2026 में डायरेक्टरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस की टीम ने रायपुर के शदाणी दरबार मार्केट स्थित एक गोदाम में छापा मारा था। महाराष्ट्र से मिले इनपुट के बाद तीन गाड़ियों में अधिकारी कारोबारी



के ठिकाने पर पहुंचे थे। टीम को गोदाम में 50 से ज्यादा बोरे सितार गुटखा मिले थे। अधिकारियों ने गुटखे के स्टॉक और दस्तावेजों की जांच की थी। गोदाम मालिक समेत कुछ लोगों को बुलाकर पूछताछ भी की गई थी। पूरी कार्रवाई की वीडियो रिकॉर्डिंग भी कराई गई थी।

गुटखा कारोबारी बंटी से जुड़े थे तार : सूत्रों के मुताबिक, सितंबर में जिस गोदाम में छापेमारी हुई थी, वह गुटखा कारोबारी बंटी का बताया गया था। उसके दुर्ग में भी एक पार्टनर होने की जानकारी सामने आई थी। बताया गया था कि महाराष्ट्र के कल्याण के पास फैक्ट्री से गुटखा बनवाकर छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, मुंबई और उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में सप्लाई किया जा रहा है।

दुर्ग में भी पकड़ी गई थी गुटखा बनाने की फैक्ट्री : रायपुर की कार्रवाई से पहले दुर्ग जिले के कुम्हारी में सेंट्रल जीएसटी इंटेलिजेंस की टीम ने एक फैक्ट्री में छापा मारा था। स्टेशन चौक इलाके में स्थित इस फैक्ट्री में सितार कंपनी का गुटखा बनाया जा रहा था। कार्रवाई के दौरान टीम ने गुटखा बनाने वाली दो मशीनें और करीब 30 बोरे गुटखा जब्त किए थे।

महादेव सट्टे का प्रमोटर सौरभ चंद्राकर गिरफ्तार...ओमान में पकड़ा गया,सीबीआई की टीम लेकर पहुंची भारत,आज रायपुर कोर्ट में पेशी

रायपुर,01 नवंबर 2026। महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप मामले के मुख्य आरोपी और प्रमोटर सौरभ चंद्राकर को सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया है। सीबीआई ने अन्य केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर उसे ओमान में पकड़ा और भारत लाया गया है। अब उसे रायपुर की स्पेशल सीबीआई कोर्ट में पेश किया जाएगा। महादेव सट्टा ऐप से जुड़े मामलों की जांच सीबीआई कर रही है। छत्तीसगढ़ सरकार ने इस मामले से जुड़ी 13 एफआईआर जांच के लिए सीबीआई को सौंपी थीं। इसके अलावा ईडी के मामले में भी उसके खिलाफ अभियोजन शिकायत (प्रॉसिक्यूशन कंप्लेंट) दाखिल की गई है।

रेड कॉर्नर नोटिस में ओमान में पकड़ाया

सीबीआई के मुताबिक,सौरभ चंद्राकर के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था। इसके आधार पर ओमान की रॉयल पुलिस ने उसे पकड़ लिया था। इसके बाद सीबीआई और ईडी ने भारत सरकार के माध्यम से ओमान को उसके प्रत्यर्पण के लिए औपचारिक प्रस्ताव भेजा। इसमें आरोपी के खिलाफ जुटाए गए सबूत भी दिए गए थे। भारत सरकार की एजेंसियों, इंटरपोल और ओमान के अधिकारियों के बीच बातचीत के बाद उसके प्रत्यर्पण को मंजूरी मिली। इसके बाद सीबीआई की टीम मस्कट पहुंची और उसे लेकर भारत आई।



देशभर में फैला था सट्टेबाजी का नेटवर्क

सीबीआई की जांच में सामने आया कि महादेव ऑनलाइन बुक देश के बड़े अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी नेटवर्क में शामिल था। इसका संचालन भारत के बाहर से किया जा रहा था। इस प्लेटफॉर्म के जरिए क्रिकेट,फुटबॉल,ताश और दूसरे खेलों पर ऑनलाइन सट्टा लगाया जाता था। इसके लिए देशभर में फ्रेंचाइजी की तरह पैनल और ब्रांच बनाई गई थीं। इनके जरिए लोगों को सट्टेबाजी से जोड़ा जाता था और उनसे पैसे जमा कराए जाते थे।

हवाला से विदेश भेजे जाते थे पैसे

जांच एजेंसी के मुताबिक, सट्टेबाजी से मिलने वाली रकम कई बैंक खातों में जमा कराई जाती थी। इन खातों के जरिए अलग-अलग लेनदेन कर पैसे को छिपाया जाता था और हवाला के माध्यम से विदेश भेजा जाता था। सीबीआई की जांच में यह भी सामने आया कि नेटवर्क को बिना रुकावट चलाने के लिए सरकारी कर्मचारियों को रिश्वत दी जाती थी। सीबीआई ने इस मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, आईपीएस की आपराधिक साजिश,धोखाधड़ी और जालसाजी से जुड़ी धाराओं के साथ छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम के तहत चार्जशीट दाखिल की है। वहीं ईडी भारत और विदेश में कई संपत्तियां अटैच कर चुकी है।

मेडिकल जांच के बाद रायपुर लाया जाएगा

सीबीआई के मुताबिक,भारत पहुंचने के बाद सौरभ चंद्राकर का मेडिकल परीक्षण कराया जाएगा। इसके बाद ट्रांजिट रिमांड लेकर उसे रायपुर ले जाया जाएगा। आज उसे रायपुर की विशेष सीबीआई अदालत में पेश किया जाएगा।

रायपुर में नागपुर की 2 महिला तस्कर गिरफ्तार

98 हजार का गांजा बरामद,दोनों पहले चोरी के मामलों में जा चुकी हैं जेल

रायपुर,01 नवंबर 2026। रायपुर में गांजा बेचने की फिराक में घूम रही महाराष्ट्र के नागपुर की दो महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों अहमद जी कॉलोनी में बाबर बंगला के पास इमली के पेड़ के नीचे गांजा लेकर ग्राहक तलाश रही थीं। सूचना पर पहुंची पुलिस को देखकर उन्होंने भागने की कोशिश की,लेकिन घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया गया। तलाशी में उनके थैले से 1.972 किलो गांजा मिला, जिसकी कीमत करीब 98 हजार 600 रुपए बताई गई है। यह कार्रवाई 1 नवंबर को एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट,एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स और कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने की। पुलिस के मुताबिक, टीम को सूचना मिली थी कि कोतवाली थाना क्षेत्र के अहमद जी कॉलोनी में बाबर बंगला के पास दो महिलाएं गांजा लेकर बिक्री की फिराक में हैं। इसके बाद संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और बताए गए हुलिए के आधार पर दोनों महिलाओं की पहचान की। पुलिस ने उनसे पूछताछ करने की कोशिश की तो दोनों भागने लगीं। टीम ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया। पूछताछ में उनकी पहचान रंजना उर्फ राजना पात्रे (60) और सीमा उर्फ नीलम पात्रे (45), निवासी नागपुर,महाराष्ट्र के रूप में हुई।



वोट बचाओ रैली में शामिल हुए भूपेश-सिंहदेव और महंत-बैज

35 विधायक और पूर्व विधायक भी पहुंचे रामलीला मैदान,एसआईआर और चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन

रायपुर,01 नवंबर 2026। दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को हुई इंडिया गठबंधन की 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली में छत्तीसगढ़ कांग्रेस के बड़े नेता शामिल हुए। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल,प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज,नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत और पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने भी प्रदर्शन में हिस्सा लिया। इनके साथ ही कांग्रेस विधायक, पूर्व विधायक, जिला कांग्रेस कमेटियों के अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता भी दिल्ली पहुंचे। रैली में शामिल होने के लिए छत्तीसगढ़ से 25 बसों में कांग्रेस कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचे। इसके अलावा कई नेता और कार्यकर्ता ट्रेन और फ्लाइट से भी गए। रायपुर के अलावा कोरबा, जांजगीर-चांपा, सक्ती,बालोद और राजनांदगांव से भी कार्यकर्ता इस प्रदर्शन में शामिल हुए।

राहुल गांधी के साथ विपक्ष के बड़े नेता भी शामिल

रैली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी,प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव,पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, तेजस्वी यादव,फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती,अभिषेक बनर्जी और सुप्रिया सुले



समेत इंडिया गठबंधन के कई बड़े नेता शामिल हुए। रैली से पहले विपक्षी नेताओं ने मिंटो रोड से रामलीला मैदान तक मार्च निकाला। राहुल गांधी,प्रियंका गांधी और अखिलेश यादव समेत कई नेता खुले वाहन में सवार होकर पहुंचे। रास्ते में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक भी मार्च में शामिल हुए।

एसआईआर और चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन : रैली में विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध किया। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग उठाई। कांग्रेस की प्रमुख मांगों में मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाना, एसआईआर के तहत हटाए गए मतदाताओं के नामों की प्रक्रिया रद्द करना और चुनाव में बैलेट पेपर से मतदान कराना शामिल है।

छत्तीसगढ़ से 25 बसों में पहुंचे कार्यकर्ता : बता दें कि, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने 30 अक्टूबर को रायपुर के बीटीआई मैदान से कार्यकर्ताओं की बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। प्रदेशभर से कुल 25 बसें दिल्ली भेजी गई थीं। कांग्रेस के मुताबिक, बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से लेकर वरिष्ठ नेताओं तक ने इस प्रदर्शन में भाग लिया।

जज की पिटाई...ग्रामीणों ने इंजीनियर पर लात-घूंसे बरसाए,छत्तीसगढ़ में मारपीट की 3 घटनाएं,शराब पीने से रोकने पर भिड़े 2 पक्ष

बिलासपुर,01 नवंबर 2026। छत्तीसगढ़ में मारपीट की तीन अलग-अलग घटनाएं सामने आई हैं। बिलासपुर में बिजली ऑपरेटर की मौत के बाद ग्रामीणों ने बिजली विभाग के डिवीजनल इंजीनियर को घेरकर पीट दिया। वहीं, जन्मदिन पर शोर-शराबे का विरोध करने पर जज और प्रॉपर्टी डीलर के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि प्रॉपर्टी डीलर और उसके साथियों ने जज और उनके परिवार से मारपीट की। इधर,सारंगढ़-बिलाईगढ़ में सरपंच के शराब पीने से रोकने पर दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई, जिसमें करीब 9 लोग घायल हुए हैं। तीनों मामलों में पुलिस ने कार्रवाई की है। बिलासपुर में बिजली विभाग के ष्ठश्च की शिकायत पर देर रात एफआईआर दर्ज की गई। वहीं, जज और प्रॉपर्टी डीलर के मामले में दोनों पक्षों की ओर से काउंटर एफआईआर दर्ज कराई गई है। सारंगढ़-बिलाईगढ़ के कुशभाठा में भी दोनों पक्षों की शिकायत पर अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई हैं। बिलासपुर में बिजली ऑपरेटर की मौत के बाद ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की मांग कर रहे लोगों ने बिजली विभाग के डिवीजनल इंजीनियर (डीई) मिलिंद पांडेय को घेरकर जमकर पीट दिया। भीड़ ने उन पर लात-घूंसे बरसाए और चप्पलों से भी हमला किया। इस दौरान मौके पर मौजूद दो आरक्षकों ने किसी तरह डीई को भीड़ से बाहर निकाला।

मारपीट में उनके कपड़े फट गए और शरीर पर चोटें आई है। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वहीं, देर रात डीई की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई। घटना हिर्री थाना क्षेत्र के ग्राम कुरेली की है। जानकारी के मुताबिक, 31 अक्टूबर सुबह कुरेली सब स्टेशन में तैनात ढनढन निवासी अमन साहू (35) की करंट लगने से मौत हो गई।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)